सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 251 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 24 जून 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

जामुल में पकड़ाया ऑनलाइन सट्टा, पांच सटोरिए गिरफ्तार, चला रहे थे लोटस 365 बुक का पैनल

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा चलाने वालों पर बड़ी कार्रवाई की है। जामुल थाना क्षेत्र में लोटस 365 बुक 46 नाम के ब्रांच में 2 पैनल का संचालन किया जा रहा था। पुलिस ने यहां दबिश देकर पांच सटोरियों को गिरफ्तार किया है। मौके से विभिन्न बैंक खातों के एटीएम कार्ड, चेकबुक, एक लैपटॉप,13 मोबाइल व अन्य दस्तावेज बरामद किया गया। शनिवार को दुर्ग एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने इस पूरे मामले का खुलासा किया।

बता दें दुर्ग भिलाई में बड़े पैमाने पर ऑनलाइन सट्टा का कारोबार चल रहा है। पुलिस द्वारा लगातार ऐसे सटोरियों पर नजर रखी जा रही है। इसी कड़ी में एण्टी क्राइम एण्ड सायबर यूनिट व जामुल थाने की टीम को जामुल में कुछ व्यक्तियों द्वारा ऑन लाइन सट्टा के संचालन की सूचना मिली। सूचना के पुलिस की टीम ने फौजी नगर 32 एकड़ पर एक किराये के मकान में दबिश देकर ऑन-लाईन सट्टा लोटस 365-46 ब्रांच के 02 पैनल 1. LOTUS365.IN 2.LOTUS365.WIN का संचालन कर रहे 5 सटोरियों को पकड़ा। पकड़े गए सटोरियों में अमित कुमार राजभर निवासी आदर्श नगर कैंप-1, विशाल कुमार राय निवासी कैंप-1 संग्राम चौक, गुड्डू राणा निवासी नंदनी रोड सुभाष नगर, दीपक साव निवासी सुभाष नगर व सुनील सिंह निवासी ईडब्ल्यूएस 378 हाउसिंग बोर्ड शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1 लेपटॉप, 13 मोबाईल, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं दस्तावेज जब्त किया है। उक्त सभी सामान ऑनलाइन सट्टे के कारोबार में उपयोग में लाया जा रहा था।

हिरासत में लिये गये व्यक्तियों पर वैधानिक कार्रवाई थाना जामुल से की जा रही है। इस कार्रवाई में एण्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट से एएसआई शमित मिश्रा, प्रधान आरक्षक सत्येन्द्र मड़रिया, आरक्षक प्रदीप सिंह ठाकुर, जगजीत सिंह, नितिन सिंह, तिलेश्वर रादीर, विकान्त कुमार, धीरेन्द्र यादव, गुणित कुमार, फारूक खान, चित्रसेन साहू एवं थाना जामुल से एएसआई इमानवेल खलखो, आरक्षक अरविंद यादव की सराहनीय भूमिका रही।

36वें राष्ट्रीय खेल में राज्य का गौरव बढ़ाने वाले पदकवीरों का सम्मान, सीएम बघेल ने कहा-

छत्तीसगढ़ में खेलों के लिए अच्छा माहौल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर आज अपने निवास में आयोजित खिलाड़ियों के सम्मान समारोह में इस आशय के विचार व्यक्त किए। उन्होंने समारोह में गुजरात में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेल में पदक जीतने वाले राज्य के खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेलों के लिए अच्छा माहौल तैयार करने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नई-नई खेल अकादमियां शुरू हो रही हैं। खिलाड़ियों के खेल कौशल को बढ़ाने के लिए विश्व स्तरीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम में इन खेलों मे भाग लेने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और टीम प्रबंधकों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव देवेन्द्र यादव, रायपुर नगर निगम के पूर्व महापौर गजराज पगारिया और छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के पदाधिकारी भी समारोह में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने समारोह में कहा कि खेलों के माध्यम से जहां खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलती है, वहीं हम सब भी गौरवान्वित महसूस करते हैं। आप सब ने छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने के साथ ही हम लोगों को गौरवान्वित भी किया है। मैं गुजरात में हुए 36वें राष्ट्रीय खेल में राज्य के लिए पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के साथ ही सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई देता हूं। मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत एवं टीम स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले 64 खिलाड़ियों, विभिन्न खेलों में भाग लेने वाले 89 अन्य खिलाड़ियों तथा 38 प्रशिक्षकों-प्रबंधकों को सम्मानित किया।

प्रदेश के खिलाड़ियों में भरी है प्रतिभा और ऊर्जा : देवेन्द्र यादव

छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव देवेन्द्र यादव ने कार्यक्रम में कहा कि प्रदेश के खिलाड़ियों में बहुत प्रतिभा और ऊर्जा है। राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में यहां के खिलाड़ी लगातार अपना दमखम दिखाते रहे हैं। राज्य की खेल प्रतिभाओं को तराशने के लिए हमें संगठित रूप से अच्छी अधोसंरचना तैयार करनी होगी। 14-15 वर्ष की उम्र में खिलाड़ियों की पहचान कर योजनाबद्ध रूप से उनके कौशल को निखारना होगा। राज्य के सभी संभाग मुख्यालयों में उपलब्ध खेल सुविधाओं को दूरस्थ अंचल के बच्चों तक भी पहुंचाना होगा। देवेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री ने 36वें राष्ट्रीय खेल के पदक विजेता खिलाड़ियों, इसमें हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के लिए कुल 16 लाख 35 हजार रूपए के पुरस्कार की घोषणा की है।

राज्य में खेलों के विकास व खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए अच्छा वातावरण

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि राज्य में खेलों के विकास और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए अच्छा वातावरण तैयार किया जा रहा है। किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए संगठित प्रयास और अनुकूल वातावरण की जरूरत होती है। प्रदेश में अभी 21 अकादमी संचालित हैं जिनमें दो आवासीय अकादमी भी हैं। इनकी संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। जब नारायणपुर के बच्चे मलखम्ब में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहरा सकते हैं, तो कुछ भी असंभव नहीं है। एशियन गेम्स, ओलंपिक, राष्ट्रमंडल और राष्ट्रीय खेलों में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी लगातार हिस्सा लेते रहे हैं।

हाईकोर्ट ने मांगा जवाब, सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा में गलत प्रक्रिया अपनाने का मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा में नियमों के विपरीत प्रक्रिया अपनाने के विरुद्ध दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने सचिव गृह विभाग, पुलिस महानिदेशक और व्यावसायिक परीक्षा मंडल के सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

गौरतलब है कि सतीश कुमार कश्यप एवं तीन अन्य याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिकाकर्ताओं के अनुसार पुलिस महानिदेशक (रायपुर) ने सूबेदार, सब-इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर (विशेष शाखा), प्लाटून कमांडर, सब-इंस्पेक्टर (फिंगर प्रिंट), सब-इंस्पेक्टर (प्रश्नगत दस्तावेज), सब-इंस्पेक्टर (कंप्यूटर) और सब-इंस्पेक्टर (रेडियो) एवं प्लाटून कमांडर के 975 पदों पर भर्ती एवं नियुक्ति के लिए 17 सितंबर 2021 को विज्ञापन जारी किया था।

याचिका के अनुसार कुल 975 पदों में से 247 पद प्लाटून कमांडर के लिए थे। विज्ञापन में स्पष्ट किया गया था कि महिला उम्मीदवार प्लाटून कमांडर के पद पर भर्ती के लिए पात्र नहीं होंगी। इसके बाद भी 4 हजार से अधिक महिलाओं को इसमें पात्र मान लिया गया है। इससे पात्र पुरुष उम्मीदवार चयन प्रक्रिया से बाधित हो गए हैं। इसके साथ ही एक्स सर्विस मैन के लिए 1900 पद स्वीकृत हैं जबकि कुल पात्र उम्मीदवारों की संख्या ही 450 के करीब है,शेष बचे पदों पर भी सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को शामिल करना चाहिए।

मानसून की एंट्री के साथ 10 डिग्री तक गिरा तापमान, बारिश व ठंडी हवाओं से बढ़ी नमी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून की एंट्री के साथ तापमान में तेजी से गिरावट आई है। तीन दिन पहले तक प्रदेश में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान 42-43 डिग्री सेल्सियस था, जो अब गिरकर 32-33 डिग्री सेल्सियस रह गया है। रात के न्यूनतम तापमान में भी 7 डिग्री तक की कमी आई है। बादल, बारिश और ठंडी हवाओं से नमी 40 फीसदी बढ़ गई है।

बीते 24 घंटे में सबसे ज्यादा 98.8 मिलीमीटर बारिश गरियाबंद जिले में रिकॉर्ड की गई है। कोरिया में 86.4 मिलीमीटर बारिश हुई है। पूरे प्रदेश में जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली है। वहीं धमतरी जिले के नगरीय इलाके में हुई भारी बारिश से सोंढूर नदी का जलस्तर बढ़ गया है। जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

तापमान में 10 डिग्री तक आई गिरावट

बलौदाबाजार 21 जून को सबसे ज्यादा गर्म रहा। यहां 42.7 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया था। जो घटकर 32.6 डिग्री हो गया है। यहां लगभग 10 डिग्री तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। जांजगीर में जहां 21 जून को तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस था वो घटकर 23 जून को 34.5 डिग्री सेल्सियस चला गया है। प्रदेश के सबसे गर्म शहरों में से एक मुंगेली में तापमान 42.5 डिग्री था वो घटकर 32.9 डिग्री हो गया है। इसी प्रकार दुर्ग में 40.6 डिग्री तापमान घटकर 37.2, राजनांदगांव में 41.5 डिग्री तापमान घटकर 31.5, रायगढ़ में 21 जून को जो तापमान 42.7 डिग्री था वो अब घटकर 34 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है।, बिलासपुर में भी 41.4 डिग्री तापमान घटकर 32.2 हो गया है। इसी तरह महासमुंद में जो तापमान 39.6 डिग्री था वो 31.7 डिग्री सेल्सियस हो गया है। राजधानी रायपुर में 41.6 डिग्री तापमान घटकर 31.1 डिग्री सेल्सियस चला गया है।

बदमाशों ने घर के बाहर खड़ी कार में लगा दी आग, सीसी टीवी कैमरे में कैद हुई घटना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। घर के बाहर कार खड़ी कर रहे हैं तो सचे हो जाएं क्योंकि शहर में ऐसे बदमाश घूम रहे हैं तो खड़ी कार में आग लगाकर भाग जाते हैं। ऐसी ही घटना बीती रात दुर्ग के पद्मनाभपुर में घटी है। यहां दो बदमाशों ने घर के बाहर खड़ी कार में आग लगा दी और भाग गए। घटना मधुबन नगर बोरसी की है। पूरी घटना सीसी टीवी फुटेज में कैद हो गई है। वहीं फुटेज के आधार पर पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है।

पद्मनाभपुर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मधुबन नगर बोरसी के सड़क नंबर 4 में देर रात 3 बजे की यह घटना बताई जा रही है। सीसी टीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि दो बदमाश कार में पहले पेट्रोल डाल रहे हैं और एक बदमाश उसमें आग लगाता है। जैसे ही आग भड़कती है दोनों बदमाश मौके से भाग जाते हैं। इधर कार जलने की जानकारी जैसे की घर वालों को लगी उन्होंने तुरंत पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इधर इस घटना के बाद कॉलोनी में दहशत है। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सीसी टीवी कैमरे की फुटेज के आधार पर पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है।

खौफनाक हत्याकांड : दूल्हा-दुल्हन सहित पांच लोगों की फरसे से काटकर हत्या, एक दिन पहले ही ससुराल पहुंची थी नई दुल्हन

मैनपुरी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में शनिवार को दिल दहलाने वाला हत्याकांड सामने आया है। यहां एक परिवार में सिरफिरे से खूनी खेला और खुदकुशी कर ली। शुक्रवार रात को घर पर नई दुल्हन के आने की खुशी थी जो सुबह मातम में बदल गई। दरअसल भाई ने अपने दो भाई व नई दुल्हन के साथ बहनोई व एक दोस्त की फरसे से काटकर हत्या कर दी। हत्या उस समय की गई जब सभी सो रहे थे। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद आरोपी ने भी आत्महत्या कर ली।

जिले के किशनी थाना इलाके में आने वाले अरसारा गोकुलपुर गांव में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात यह जघन्य हत्याकांड हुआ है। गांव में सुभाष यादव (65) के छोटे बेटे सोनू यादव (23) की बीते गुरुवार को ही शादी हुई थी। बारात लेकर परिवार-रिश्तेदार इटावा जिले के गंगापुरा गए हुए थे और दुल्हन को विदा कराकर शुक्रवार को घर पहुंचे। यहां डीजे में नाचे और खाने पीने के बाद सभी पस्त होकर सो गए।

इसके बाद आधी रात को सुभाष यादव के बड़े बेटे सोहवीर यादव के सिर पर खून सवार हो गया और उसने फरसे छत पर सो रही नई-नवेली बहू को काटा और फिर उसी चारपाई पर सो रहे अपने नवविवाहित छोटे भाई सोनू को काट दिया। इसके बाद वह उतरकर नीचे आया और फिर उसने कमरों में सो रहे एक और छोटे भाई अभिषेक समेत बहनोई रामकृष्ण यादव को भी मार दिया। साथ ही परिवार के दोस्त दीपक की भी फरसे से काटकर बेरहमी से हत्या कर डाली।

पत्नी व मामी पर भी किया हमला

बर्बरता पर उतारू सोहवीर ने अपनी सोती हुई मामी और पत्नी पर भी हमला कर दिया। तब तक घर पर चीख पुकार मच चुकी थी। यह देख आरोपी ने भी गोली मारकर सुसाइड कर लिया। हमले के बाद नवविवाहित जोड़े समेत 5 लोगों की सांसें थम चुकी थीं। लेकिन हमले में घायल आरोपी की मामी और पत्नी कराह रही थीं जिन्हें आसपास के लोगों की मदद से दोनों महिलाओं को मैनपुरी जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए इटावा जिले के सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। इस पूरे मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस इसका पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आखिर इतना बड़ा हत्याकांड क्यों और किस कारण से हुआ।

यही बीमारी ले डूबेगी कांग्रेस को

श्रीकंचनपथ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने छह नियुक्तियां कीं। प्रदेश प्रभारी ने उनका आदेश पलट दिया। आदेशात्मक लहजे में उन्हें नियुक्तियों को रद करने को कहा गया। यह चिट्ठी मीडिया के पास भी पहुंच गई। जब मीडिया ने इसपर प्रदेश प्रभारी से सवाल पूछे तो वे बचकर निकल गईं। जब घर में ही इस तरह के लोग होंगे तो बाहरी दुश्मन की जरूरत ही क्या है? दरअसल, राजनीतिक दलों में पद और रेवड़ी में कोई खास फर्क नहीं होता। पद लोगों को खुश करने के लिए दिये जाते हैं। सभी पदों पर एक-एक आदमी बैठा हो तो घर भरा-पूरा लगता है। आज देश भर में कांग्रेस की जो हालत है, उसके लिए उसका केन्द्रीय नेतृत्व ही जिम्मेदार है। देश में कांग्रेस की जो थोड़ी बहुत इज्जत बची है वह छत्तीसगढ़ की वजह से है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति सबको सम्मान देने की है। इसलिए वह निकम्मों की भी आवभगत करती है। यहां टूरिस्ट वीजा पर छत्तीसगढ़ आने वाले नेताओं को भी भरपूर सम्मान दिया जाता है, फिर चाहे वो किसी भी पार्टी के हों। पर इसका यह मतलब नहीं है कि वे पार्टी को ही नुकसान पहुंचाने की कोशिश करें। चुनाव ज्यादा दूर नहीं हैं। भाजपा लगातार कांग्रेस पर हमले कर रही है। भाजपा की आनुषांगिक इकाइयां धर्मांतरण, लव जिहाद और गौकशी जैसे मुद्दे उछालकर अवाम का ध्रुवीकरण करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस किसी तरह पार्टी और मतदाताओं को एकजुट रखने की कोशिश कर रही है। पर प्रदेश प्रभारी उसके किए धरे पर पानी फेर रही हैं। उनकी कोई पसंद या नापसंद थी तो वे प्रदेश अध्यक्ष के साथ बंद कमरे की बैठक कर सकती थीं, सुझाव दे सकती थीं, दबाव भी बना सकती थीं। पर नहीं, उन्हें तो अपना पावर दिखाना था, सो उन्होंने दिखा दिया। पावर किसी पावर सेन्टर से आए तो भी बात समझ में आती है, जैसा कि भाजपा में होता है। वहां केन्द्रीय नेतृत्व के पास एक ऐसा चेहरा है जिसे दिखाकर कोई भी ऐरा-गैरा चुनाव जीत सकता है पर कांग्रेस आज उस स्थिति में नहीं है। शतरंज की इस बिसात पर कांग्रेस के सभी बड़े मोहरे धराशायी हो चुके हैं। प्यादों की मदद से खेल किसी तरह आगे बढ़ रहा है। उसमें विघ्न डालने की कोई जरूरत नहीं थी। एक प्यादा काफी आगे बढ़ गया है। एक दो चाल में वह वजीर बन सकता है। खेल में जान वापस आ सकती है। इसलिए उसे डिसटर्ब करना जरूरी है।

यही वह गंदी आदत है जिसने राजीव के बाद कांग्रेस की मिट्टी पलीद कर दी। प्रदेश सरकार के पास तमाम मसले हैं सिर धुनने के लिए। इस अतिरिक्त मुसीबत की कोई जरूरत नहीं थी। प्रदेश प्रभारी को यहां पार्टी की मदद करने के लिए भेजा गया था पर वे उसमें विघ्न डालकर चली गईं। अब प्रदेश नेतृत्व के पास एक और मसला हो गया सिर खपाई के लिए।

संपादकीय

शहबाज का कबूलनामा

जिस वक्त वाशिंगटन में अमेरिका के दिग्गज राजनेता और उद्यमी भारतीय अर्थव्यवस्था की शान में कसीदे पढ़ रहे थे, ठीक उसी समय फ्रांस की राजधानी पेरिस में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का विलाप पूरी दुनिया ने सुना। बकौल शरीफ, दुनिया के कर्जदाता बड़े देशों के पास जंग में लगाने के लिए तो अरबों डॉलर हैं, मगर पाकिस्तान को देने के लिए नहीं। वे सैलाब से तबाह पाकिस्तान को कर्ज देते समय ब्याज की दरें ऊंची कर देते हैं। शहबाज शरीफ का यह बयान उनके मुल्क की दयनीयता का कबूलनामा है। निस्संदेह, यह अत्यंत त्रासद है और एक जिम्मेदार पड़ोसी होने के नाते हम इस बात से प्रसन्न नहीं हो सकते कि संसाधनों से प्रचुर पाकिस्तान आज इस स्थिति में जा पहुंचा है। एक दौर था, जब पाकिस्तान की माली हालत हमसे बेहतर थी और पश्चिम एशिया के इस्लामी देश उसकी ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे थे। मगर आज अरब देशों ने भी उससे किनारा कर लिया है और पाकिस्तानी हुक्मरां कभी तुर्की, कभी बीजिंग, तो कभी अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के दरवाजे पर मिन्नत-समाजत करते नजर आते हैं। पाकिस्तान इस हाल तक क्यों पहुंचा, यह किसी शोध का विषय नहीं रहा, बल्कि यह दीवार पर लिखी एक ऐसी तहरीर है, जिसे कोई भी पढ़-समझ सकता है, और सबक ले सकता है। लेना भी चाहिए। अलबत्ता, अध्ययन का मसला यह है कि वहां के सत्ता प्रतिष्ठानों में देश की इस दुर्दशा को लेकर ईमानदार चिंता क्यों नहीं दिखती? पाकिस्तानी रहनुमा इतने अदूरदर्शी कैसे हो सकते हैं कि श्रीलंका के हालात को देखने के बाद भी घरेलू हालात को दुरुस्त करने के बजाय वे अमीर मुल्कों से शिकायत कर रहे हैं? अमेरिका, चीन और वैश्विक वित्तीय संस्थानों से मिली आर्थिक मदद का जिस तरह वहां बंदरबांट होता रहा और पिछले दरवाजे से उसे आतंकी तंजीमों की मदद पर खर्च किया गया, उसके बाद इस्लामाबाद की साख जमीन पर लोट रही है, तो हैरत कैसी? 'फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स' ने पिछले साल अक्तूबर में जब 'ग्रे लिस्ट' से पाकिस्तान को बाहर किया था, तब उम्मीद बनी थी कि वहां के आम लोगों को महंगाई से निजात दिलाने और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए शहबाज सरकार ऐसे सुधारवादी कदम उठाएगी, जिससे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं का रुख उसके प्रति कुछ नरम पड़ सके, पर घरेलू राजनीति की उलझनों में ही सरकार की सारी ऊर्जा खत्म होती रही है और अब आलम यह है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के 6.5 अरब डॉलर के ऋण कार्यक्रम की मियाद इस महीने खत्म होने जा रही है और शहबाज शरीफ को 1.1 अरब डॉलर की किस्त जारी कराने के लिए चिरौरी करनी पड़ रही है। आईएमएफ ने सात महीनों से यह किस्त रोक रखी है। पाकिस्तान के शासक वर्ग को यह बुनियादी हकीकत भी तस्लीम करनी पड़ेगी कि आतंकवाद के निर्यात की प्रच्छन्न नीति से तौबा किए बगैर उनके यहां न निवेश आएगा और न ही वहां पर लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होंगी। पाकिस्तान के पास हुनरमंदों व होनहार लोगों की कमी नहीं, मगर उसके इस मानव संसाधन का ज्यादातर लाभ पश्चिम एशिया व यूरोप के देश उठा रहे हैं। भारत-द्वेष से मुक्त होकर यदि वह अब भी अपने घर की बिखरी चीजों को सहेजने की कोशिश करे, तो उसे यूं दर-दर हाथ फैलाने की बार-बार जरूरत नहीं पड़ेगी और इस उप-महाद्वीप का भी भला होगा!

पाकिस्तान के शासक वर्ग को यह बुनियादी हकीकत भी तस्लीम करनी पड़ेगी कि आतंकवाद के निर्यात की प्रच्छन्न नीति से तौबा किए बगैर उनके यहां न निवेश आएगा और न ही वहां पर लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होंगी। पाकिस्तान के पास हुनरमंदों व होनहार लोगों की कमी नहीं, मगर उसके इस मानव संसाधन का ज्यादातर लाभ पश्चिम एशिया व यूरोप के देश उठा रहे हैं।

जो नहीं हो रहा था वह हो गया

जो अभी तक नहीं हो रहा था, वह सब कुछ हो गया है जी! जी नहीं, बात यह नहीं है कि जून में राजस्थान के रेगिस्तान में बारिश हो रही है। नहीं, सचमुच हुई है जी। किसी खबरिया चैनल पर कहीं और की बारिश और तूफान दिखाकर कोई भद्दा-सा नाटक नहीं किया गया है कि तूफान की वजह से एंकरानी तो ज्यादा लहराए और छतरी कहीं से हिले भी न। अभी तक फिल्मी बारिशों में भी छतरी तो कम से कम उड़ती ही रही है। खैर, जो भी हो, पर जून के महीने में रेगिस्तान में बारिश हो गयी। इसीलिए तो कह रहे हैं कि जो अभी तक नहीं हो हुआ था, वह सब हो रहा है। अब देखिए, विपक्ष की एकता नहीं हो रही थी। भाजपा वाले भी मजाक बना रहे थे कि हो ही नहीं सकती साहब। ममता दीदी और वामपंथी साथ आएंगे क्या? केजरीवाल और कांग्रेस साथ आएंगे क्या? पर देख लो, विपक्षी पार्टियों की पटना वाली मीटिंग तो हो गयी साहब। उधर मोदीजी ने प्रेस कांफ्रेंस भी कर दी। जलकुकड़े इतने दिन से यही राग तो अलाप रहे थे कि मोदीजी ने आज तक एक प्रेस कांफ्रेंस तक तो की नहीं। पर कर दी। रिकॉर्ड तोड़ दिया। भले ही विदेश में जाकर तोड़ा हो, पर प्रेस कांफ्रेंस तो कर दी न। फिर सवाल चाहे दो ही क्यों न रहे हों और जवाब का सवाल से चाहे कोई संबंध भी न रहा हो। आगे से नेताओं को अपनी प्रेस कांफ्रेंसों में दो सवालों का नियम बना देना चाहिए। उधर मौसम विज्ञानी कह रहे हैं कि बिपरजॉय चक्रवात ने कुछ काली बिल्ली के स्टाइल में मानसून का रास्ता काट दिया है। मतलब मानसून में अब देरी हो सकती है। इसी तरह लोग कह रहे थे कि चंद्रशेखर राव ने भी कुछ-कुछ काली बिल्ली स्टाइल में ही विपक्षी एकता का रास्ता काट दिया है। उन्हें केजरीवालजी से बड़ी उम्मीद थी कि वे जरूर वहां रायता फैलाएंगे। फिर भी किसी तरह के अपशकुनों की परवाह न करते हुए विपक्षी पार्टियों की पटना मीटिंग हो गयी। अब कहने वालों का क्या है साहब। वे तो यह भी कह रहे थे कि राहुल गांधी ने मोदीजी से पहले अमेरिका की यात्रा कर बड़ी जबर्दस्त पेशबंदी कर दी है। अपना एजेंडा सेट कर दिया है। विमर्श तय कर दिया है। कहीं इसी वजह से तो वहां मोदी विरोधी प्रदर्शन नहीं हुए। फिर भी मोदीजी की अमेरिका यात्रा हुई। और सबसे बड़ी बात यह कि उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस की। हालांकि जिस तरह का सवाल किया गया उससे पता चलता है कि वे प्रेस कांफ्रेंस क्यों नहीं करते। खैर, जैसे जून की बारिश लू में तपते लोगों को राहत देती है, वैसे ही पटना की मीटिंग से विपक्ष वालों को राहत महसूस हुई है और मोदीजी की प्रेस कांफ्रेंस से भाजपा वालों को राहत महसूस हुई है।

जगन मोहन पर भी शुरू हुआ हमला

भारतीय जनता पार्टी ने आखिरकार आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस और मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी पर हमला शुरू किया है। अभी तक जगन का पूरा सद्भाव केंद्र सरकार के प्रति था और भाजपा भी सद्भाव दिखाती थी। भाजपा को प्रदेश कमेटी के नेता कुछ हमले करते थे लेकिन राष्ट्रीय नेता उनके बारे में कुछ भी निगेटिव नहीं बोलते थे। वे भी हर मुद्दे पर केंद्र में भाजपा सरकार का साथ देते थे। लेकिन जैसे जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है और राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी टीडीपी के साथ भाजपा के तालमेल की बातें आगे बढ़ रही हैं वैसे वैसे भाजपा का नजरिया बदल रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को चेन्नई के बाद आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एक सभा को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने जगन मोहन की सरकार पर जम कर हमला बोला। शाह ने कहा कि जगन मोहन की सरकार ने राज्य में कुछ काम नहीं किया है सिवाय भ्रष्टाचार के। उन्होंने कहा कि दिल्ली से मोदी सरकार जो पैसा भेजती है, जगन का काडर उसे लूट लेता है। शाह ने यह भी कहा कि जगन अपने को किसानों का हितैषी बताते हैं लेकिन उनको शर्म आनी चाहिए कि उनके राज्य में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या कर रहे हैं।

“ जून के पहले पखवाड़े में भारत आए चैटजीपीटी के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा था कि भारतीय कंपनियां उनके साथ (चैटजीपीटी) प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकतीं, इसकी कोशिश करना 'निराशाजनक' होगा। इस टिप्पणी का अर्थ था कि भारतीय उतनी कुशलता से काम नहीं कर सकते, जिसकी आज जरूरत है। अमेरिका के साथ तकनीक हस्तांतरण को लेकर हुआ समझौता इस धारणा को तोड़ने में मददगार हो सकता है।

नरेंद्र मोदी की नई रीति-नीति का मतलब

शशांक, पूर्व विदेश सचिव

बीते दो-ढाई दशकों से भारत और अमेरिका जिस द्विपक्षीय सामरिक साझेदारी को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं, उसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह राजकीय यात्रा मील का पत्थर साबित हुई। जो बाइडन के राष्ट्रपति बनने के बाद प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका की राजकीय यात्रा करने वाले तीसरी दुनिया के पहले नेता हैं। इतना ही नहीं, मोदी उन चंद वैश्विक नेताओं में शुमार हो गए हैं, जिन्होंने अमेरिकी कांग्रेस (संसद) को एक से अधिक बार संबोधित किया है। मगर इस यात्रा का सबसे उल्लेखनीय पक्ष यह है कि प्रधानमंत्री मोदी की रीति-नीति को बाइडन भी अब स्वीकार कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा बता रही है कि अमेरिका अब भारत को सिर्फ बाजार नहीं समझता। अमेरिकी नेता यह नहीं सोच रहे कि भारतीय लोकतंत्र का किस तरह अपने हित में इस्तेमाल किया जाए या कैसे नई दिल्ली पर दबाव बनाया जाए, बल्कि वे हमारे प्रधानमंत्री के विचार जानने को उत्सुक थे। राष्ट्रपति जो बाइडन समझना चाहते थे कि प्रधानमंत्री मोदी एशिया को लेकर क्या सोचते हैं, उनकी वैश्विक मसलों पर क्या राय है या धार्मिक बहुलवाद और लोकतंत्र को लेकर उनका क्या नजरिया है? यही वजह है कि व्हाइट हाउस में उनका यूं स्वागत किया गया, और रक्षा, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, जेट इंजन, ड्रोन समेत कई मसलों पर आपसी सहमति बनाई गई। यह साफ संकेत है कि दोनों देशों में आपसी समझ बढ़ी है। अब द्विपक्षीय सहयोग के बुनियादी मुद्दों पर ही नहीं, बल्कि उभरते तमाम मसलों पर भी दोनों एक-दूसरे के करीब आ रहे हैं।

यह अच्छी बात है कि मोदी और बाइडन, दोनों नेता प्रौद्योगिकी को आपसी साझेदारी का अहम किरदार मानते हैं। इस दौरे में अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक एयरोस्पेस और हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के बीच जो समझौता हुआ है, उसके तहत तेजस के लिए जीई एफ414 इंजन बनाया जाएगा, जिससे स्वाभाविक तौर पर हमारे इस हल्के लड़ाकू विमान की क्षमता बढ़ जाएगी। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारत के साथ तकनीक न साझा करने की अमेरिकी नीति अब इतिहास बन चुकी है। भारत दुनिया का पांचवां देश बन गया है, जो यह इंजन बनाएगा।

सेमीकंडक्टर आपूर्ति शृंखला और नवाचार संबंधी साझेदारी पर भी दोनों देशों ने सहमति दस्तावेज पर हस्ताक्षर किया है। इससे कारोबारी अवसरों, शोध कार्यों व कौशल विकास को प्रोत्साहन मिलेगा। माइक्रोन टेक्नोलॉजी ने तो भारत में 82.5 करोड़ डॉलर निवेश की घोषणा की भी है, जिसके तहत 'सेमीकंडक्टर असेंबली' और 'टेस्ट फैसिलिटी' का काम होगा। इसमें भारत सरकार भी सहयोग देगी। माना जा रहा है कि 2.75 अरब डॉलर मूल्य के इस साझा निवेश से अगले पांच वर्षों में 5,000 सीधी और 15 हजार सामुदायिक नौकरियां पैदा होंगी।

जून के पहले पखवाड़े में भारत आए चैटजीपीटी के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा था कि भारतीय कंपनियां उनके साथ (चैटजीपीटी) प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकतीं, इसकी कोशिश करना 'निराशाजनक' होगा। इस टिप्पणी का अर्थ था कि भारतीय उतनी कुशलता से काम नहीं कर सकते, जिसकी आज जरूरत है। अमेरिका के साथ तकनीक हस्तांतरण को लेकर हुआ समझौता इस धारणा को तोड़ने में मददगार हो सकता है। अब यह जिम्मेदारी हमारी है कि हम न सिर्फ उन्नत तकनीक को अपनाएं, बल्कि उनका बेहतर इस्तेमाल भी सुनिश्चित करें। अमेरिका कभी-कभार ही तकनीक हस्तांतरण में मदद करता है। चीन ने भी कभी इसी तरह अमेरिकी नीति का फायदा उठाया था। अब यह मौका भारत के पास है। आपसी कारोबारी संबंधों की मजबूती के लिए अमेरिका बेंगलुरु और अहमदाबाद में दो नए वाणिज्य दूतावास खोलने पर भी सहमत हुआ है। भारत भी सिएटल में अपना मिशन स्थापित करेगा। वाणिज्य दूतावास का हमें कई तरह से फायदा मिल सकता है। कोई देश अपना वाणिज्य दूतावास तभी स्थापित करता है, जब उसे लगता है कि उस खास जगह पर उसके नागरिक अधिक संख्या में जा रहे हैं और मुश्किल के वक्त उन्हें तत्काल मदद दी जानी चाहिए, ताकि उनके काम सुगमता से हो सकें। हम अमेरिका से जिस तरह और जिन क्षेत्रों में संबंध आगे बढ़ाना चाहते हैं, फिर चाहे वह साझा निर्माण-कार्य से जुड़ा मुद्दा हो, या तकनीक विकास का या फिर अन्य, दूतावास के बनने से कई समस्याओं का समाधान आसानी से हो सकेगा। सिएटल में भी ठीक यही होगा। वहां रहने वाले भारतीय इससे लाभान्वित हो सकेंगे, और उन तक आसानी से मदद पहुंचाई जा सकेगी। इससे आपसी रिश्तों को विस्तार मिलेगा।

दोनों देशों के बीच आर्टेमिस संधि पर बनी रजामंदी भी काफी महत्वपूर्ण है। भारत ने इस संधि में शामिल होने की स्वीकृति दे दी है। यह असल में समान विचारधारा वाले देशों को अंतरिक्ष खोज के मुद्दे पर एक करता है। दोनों देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां, यानी इसरो और नासा, 2024 में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक संयुक्त मिशन पर राजी हुई हैं। हालांकि, यह भी देखना होगा कि दोनों एजेंसियां किस तरह से अपनी योजनाओं को साकार करती हैं। अंतरिक्ष खोज को लेकर हमारी अपनी कल्पनाएं हैं और अमेरिका की अलग। दोनों योजनाओं में मेल कराना और अंतरिक्ष-खोज को नई दिशा देना काफी महत्वपूर्ण होगा। मानव युक्त अंतरिक्ष उड़ान के लिए जिस तरह से नासा ने मदद देने का भरोसा दिया है, उससे ठोस उम्मीदें बनती हैं।

स्पष्ट है, भारत अब अमेरिका का, खासकर एशिया में बहुत अहम सहयोगी बन गया है। पहले कभी जी-2 की बात कही जाती थी, तो परमाणु परीक्षण करने पर हम पर बंदिशें लगा दी जाती थीं, लेकिन अब तस्वीर बदल गई है। अब नए भारत को स्वीकार किया जा रहा है। अमेरिकी पहल की नई इबारत लिखी जा रही है। एशिया या विश्व की राजनीति में जिस तरह से तीव्र बदलाव हो रहे हैं, उसमें ऐसे रिश्ते काफी मायने रखते हैं। हालांकि, जी-20 के अध्यक्ष होने के नाते हमें भी यह देखना होगा कि वैश्विक दक्षिण को लेकर हम क्या रणनीति बना सकते हैं? चूंकि दोस्ती का हाथ अमेरिका की तरफ से बढ़ा है, और वह हमारी नीतियां नहीं बदलना चाहता, बल्कि हमारे साथ मिलकर काम करना चाहता है, इसलिए, हमें भी उतनी ही गर्मजोशी के साथ आगे बढ़ना चाहिए। ऐसे अवसर बार-बार नहीं आते।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

यह भारत-अमेरिका सहयोग का सहजीवी चरण है

अजय कुमार, पूर्व रक्षा सचिव

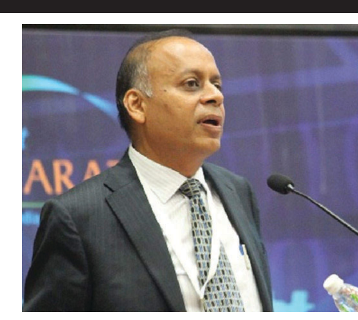

किसी भी रिश्ते में एक समय ऐसा आता है, जब वह निचले गियर से ऊंचे गियर पर शिफ्ट हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की राजकीय यात्रा दोनों देशों के बीच प्रौद्योगिकी संबंधों के लिए एक ऐसा ही क्षण है और इसे चार अलग-अलग चरणों के माध्यम से देखा जा सकता है।

शीत युद्ध के दौरान, दोनों देशों के बीच प्रौद्योगिकी का न्यूनतम आदान-प्रदान होता था, और मैं इसे अपरिचित चरण कहता हूं। फिर परिचित चरण आया, जो 1980 के दशक के प्रारंभ में शुरू हुआ और आईटी आउटसोर्सिंग द्वारा पहचाना गया। हालांकि, इसमें दोनों तरफकी सरकारों की भूमिकाएं सीमित थीं। बड़ी संख्या में पहली पीढ़ी के आप्रवासी भारतीय इंजीनियर अमेरिका भेजे गए। परिचित चरण के बाद मित्रता चरण आया। जैसे-जैसे संबंध व्यावसायिक से बढ़कर रणनीतिक होते गए, सरकारों की भूमिका महत्वपूर्ण होती गई। इस चरण में रक्षा सहयोग में बड़ी प्रगति देखी गई और कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए गए। इस दिशा में पहला कदम 2002 में सैन्य सूचना समझौते पर हस्ताक्षर करना था। इसके बाद 2005 में अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों के लिए नई रूपरेखा तैयार की गई, जिसने भारत के लिए अमेरिकी रक्षा प्रौद्योगिकी के दरवाजे खोल दिए। अमेरिका-भारत नागरिक परमाणु समझौता पर 2008 में हस्ताक्षर किए गए थे। 2011 में साइबर सुरक्षा में व्यापक सहयोग के लिए ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। 2012 में रक्षा व्यापार व प्रौद्योगिकी पहल पर हस्ताक्षर किए गए और 2016 में भारत को प्रमुख रक्षा भागीदार के रूप में मान्यता दी गई। 2018 में अमेरिका ने भारतीय चिंताओं का सम्मान करते हुए अपने प्रशांत कमांड का नाम बदलकर इंडो-पैसिफिक कमांड कर दिया।

इस रिश्ते का एक प्रमुख हिस्सा उच्च तकनीक वाले सैन्य उपकरणों की विदेशी सैन्य बिक्री थी। अमेरिका द्वारा भारत को लगभग 20 अरब डॉलर की सैन्य बिक्री की गई। इस चरण के दौरान जहां दोनों सरकारों ने रक्षा और परमाणु मोर्चों पर प्रगति की, वहीं उद्योग संबंध भी उन्नति पर थे। अमेरिकी कंपनियों ने अनुसंधान और विकास केंद्र स्थापित करने का बीड़ा उठाया। इसे मैं सहजीवी चरण कहता हूं। यह पहले के चरणों से अलग है। यह आपसी सहयोग, परस्पर निर्भरता व ज्ञान संसाधनों को साझा करने का प्रतीक है। यह चरण ऐसे समय में आया है, जब अमेरिका व चीन के बीच अविश्वास बढ़ रहा है और भारत में नई शुरुआत की लहर चल रही है।

मुझे याद है, जब अमेरिकी वायु सेना रिसर्च लैब ने 2019 में एक भारतीय आइडेक्स स्टार्टअप के साथ सहयोग करने में रुचि व्यक्त करते हुए रक्षा मंत्रालय से संपर्क साधा था। भारत रक्षा के लिए केवल विदेशी फर्मों से प्रौद्योगिकी मांगता रहा है, ऐसे में अमेरिकी लैब की मांग अविश्वसनीय थी। महामारी के दौरान टीकों-दवाओं के विकास, आधार, यूपीआई, डिजीलॉकर व स्टार्टअप इकोसिस्टम सहित भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे ने देश की छवि सेवा अर्थव्यवस्था से ज्ञान अर्थव्यवस्था में बदलने में मदद की है। मई 2022 में क्रिटिकल ऐंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज पर यूएस-इंडिया इनिशिएटिव (आईसेट) की घोषणा ने सहजीवी चरण की शुरुआत के संकेत दिए। इसके मूल में लोकतंत्र की आम मान्यताएं, साझा मूल्य व मानव जाति की भलाई के लिए स्वतंत्र प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र हैं।

आईसेट विज्ञान, रक्षा, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष और दूरसंचार के क्षेत्र में दोनों देशों में प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र के बीच सहयोग को बढ़ावा देगा। पहली बार, दोनों पक्ष पारस्परिक रक्षा खरीद समझौते पर हस्ताक्षर करने पर सहमत हुए हैं, जिसके चलते भारत से अमेरिका को अधिक रक्षा निर्यात होना चाहिए। आपूर्ति शृंखलाओं की दीर्घकालिक सुरक्षा पर काम शुरू किया जा रहा है, जो रिश्ते में विश्वास के बिल्कुल नए स्तर का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा में, जो सहजीवी चरण की शुरुआत का प्रतीक है, दोनों देशों को दुनिया की वैश्विक नवाचार महाशक्ति बनाने की क्षमता है। यह यात्रा एक ऐतिहासिक क्षण है, न केवल भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी संबंध के लिए, बल्कि प्रौद्योगिकी की वैश्विक प्रगति के लिए भी एक निर्णायक मोड़ है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जागरूकता से सत्ताधीशों की निरंकुशता पर नकेल

विश्वनाथ सचदेव

स्वतंत्र भारत के इतिहास में 25 जून को एक काले अध्याय की शुरुआत के रूप में याद किया जाता है। अड़तालीस साल पहले इसी दिन भारत में आपातकाल की घोषणा की गयी थी। कारण यह बताया गया था कि समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में देश के विरोधी दल, भारत की शांति-व्यवस्था को भंग करने पर आमादा हैं। न तब इस कथित कारण को देश की जनता ने स्वीकारा था और न अब यह बात आसानी से जनता के गले उतर सकती है कि विपक्ष ने शासन-व्यवस्था के खिलाफ ऐसा वातावरण बना दिया था कि देश में अराजकता फैलाने का खतरा था। निश्चित रूप से 25 जून, 1975 को भारत के इतिहास में एक ऐसा काला अध्याय लिखा गया था जिसने जनतांत्रिक मूल्यों-आदर्शों की धज्जियां उड़ा दी थीं। आज भी कांग्रेस पार्टी तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की इस 'भूल' का खमियाजा भुगत रही है। आज भी कांग्रेस-विरोधी दल, जिनमें वर्तमान सत्तारूढ़ दल प्रमुख है, आपातकाल के नाम पर कांग्रेस को कटघरे में खड़ा करते रहते हैं। हालांकि कांग्रेस यह दावा कर सकती है कि इंदिरा गांधी ने घोषणा के उन्नीस माह बाद ही आपातकाल हटा कर और चुनाव करवा कर, अपनी भूल को ठीक करने का प्रयास किया था, लेकिन इस सच्चाई से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि 1975 में आपातकाल की घोषणा ने जनतांत्रिक भारत के इतिहास में एक काला अध्याय लिखा था।

सवाल उठता है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री ने ऐसा कदम उठाना क्यों ज़रूरी समझा? क्या सचमुच तब देश में ऐसी अराजकता की स्थिति उपस्थित हो गयी थी कि आपातकाल घोषित करना ज़रूरी हो गया? आपातकाल के समर्थन में तर्क तब भी दिए गये थे, यहां तक कि महात्मा गांधी के अनन्य शिष्य विनोबा भावे तक ने इसे 'अनुशासन पर्व' का नाम देकर इस अजनतांत्रिक कार्रवाई को समर्थन दिया था। लेकिन देश की जनता ने ऐसे किसी भी तर्क को नहीं स्वीकारा। लगभग दो साल के आपातकाल के बाद हुए चुनावों में इंदिरा गांधी को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। यह बात दूसरी है कि तब बनी जनता पार्टी की सरकार ज्यादा समय तक टिक नहीं पायी थी, पर इस परिवर्तन ने यह अवश्य दिखा दिया था कि तानाशाही तौर-तरीकों से यह देश नहीं चलाया जा सकता। इंदिरा गांधी को हराकर जनता पार्टी को जिता कर, और फिर जल्दी ही जनता पार्टी की सरकार की जगह इंदिरा गांधी की सरकार को अवसर देकर देश की जनता ने यह बता दिया था कि देश जनतांत्रिक मूल्यों और परंपराओं के अनुरूप ही चल सकता है। तानाशाही, भले ही वह किसी भी रूप में हो, देश की जनता को स्वीकार्य नहीं है।

अब यह एक खुला रहस्य है कि 1975 में इंदिरा गांधी ने कथित अराजकता का मुकाबला करने के लिए आपातकाल लागू नहीं किया था। सत्ता में बने रहने की लालसा ने ही उन्हें तब यह घोर अजनतांत्रिक कदम उठाने के लिए बाध्य किया था। इस कार्रवाई के पीछे कहीं न कहीं यह भावना भी काम कर रही थी कि जनता इंदिरा गांधी के 'चमत्कारी व्यक्तित्व' से भी सम्मोहित है। पर शायद उनकी खुशफहमी ही थी। जनतांत्रिक मूल्य इस देश की सहज मानसिकता में अंतर्निहित हैं। तानाशाही तरीकों से यह देश नहीं चलाया जाना चाहिए, न ही चलाया जा सकता।

बहरहाल, आपातकाल के बाद बनी जनता पार्टी की सरकार ने संविधान में उचित और आवश्यक संशोधन करके ऐसी व्यवस्था कर दी थी कि फिर कोई शासक सत्ता के मोह में पड़कर आपातकाल लागू करने जैसी बात न कर सके। लेकिन यह खतरा तो हमेशा बना ही रहेगा कि कोई शासक अपनी लोकप्रियता के भ्रम में तानाशाही रवैया अपनाने के लालच में पड़ जाये। इसलिए ज़रूरी है कि हर 25 जून को देश की जनता आपातकाल को याद करे, जनतांत्रिक भारत के इतिहास के उस काले अध्याय के संदर्भ में चिंतन करे कि क्यों और कैसे कोई शासक तानाशाही रवैया अपनाने के लालच में पड़ सकता है। जो शासक जितना लोकप्रिय होता है वह स्वयं को उतना ही ताकतवर भी समझ सकता है और यह समझ उसे तानाशाही तौर-तरीके अपनाने का अवसर दे सकती है। ऐसे में किसी शासक को यह भ्रम होना भी मुश्किल नहीं है कि वह तो गलती कर ही नहीं सकता, कि जनता उसकी गलतियों को ज्यादा तरजीह नहीं देगी।

जनतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी स्थिति का आना खतरनाक है। नागरिकों की जागरूकता ही इस खतरे से बचने का तरीका है। वैसे तो चुनाव के अवसर पर इस जागरूकता को परखा जा सकता है, पर जैसे कि डॉ. राम मनोहर लोहिया ने कहा था, 'जिंदा कौमें पांच साल तक इंतजार नहीं करतीं', यह जरूरी है कि जनता में जागरूकता अनवरत बनी रहे। इंतजार न करने का मतलब यही है कि जनता चौकन्नी रहे। मतदाता का काम वोट देकर किसी को सिंहासन पर बिठाना ही नहीं है, उसे यह भी लगातार देखते रहना होता है कि उसका चुना हुआ शासक सत्ता की अपनी ताकत का शिकार तो नहीं हो रहा।

वर्ष 1975 में देश में आपातकाल लागू किया गया था जो 1977 तक चला। ये अर्सा सत्ता के आतंक की कथा सुनाता है। उस दौरान वह सब कुछ एक तानाशाही मानसिकता का शिकार हो गया था, जो जनतांत्रिक मूल्यों से जुड़ा होता है। यह बात हमेशा याद रखनी होगी कि सत्ता का मोह और सत्ता की ताकत शासक को गलत काम करने के लिए लालायित भी कर सकती है। यहीं इस बात को भी रेखांकित किया जाना ज़रूरी है कि जनतंत्र में निर्वाचित नेता शासक नहीं होता और जनता प्रजा नहीं होती।

निःसंदेह, निर्वाचित नेता हमारा प्रतिनिधि होता है। प्रतिनिधि को अपनी मर्यादाओं का ध्यान रखना चाहिए और जनता को यह अहसास बना रहना चाहिए कि जिसे उसने चुना है वह उच्छृंखल न हो जाये। इसका एकमात्र तरीका मतदाता की सतत जागरूकता है। यह जागरूकता ही किसी आपातकाल की मानसिकता के खतरे से जनतंत्र को बचाये रख सकती है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026, 7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

लाईवलीहुड कॉलेज में 26 को मेगा प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

रायपुर। जिला रोजगार कार्यालय तथा जिला कौशल विकास प्राधिकरण द्वारा लाईवलीहुड कॉलेज जोरा में प्लेसमेंट कैंप का आयोजन 26 जून को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जा रहा है। इस प्लेसमेंट कैंप में निजी क्षेत्र के 15 से अधिक नियोजकों द्वारा लगभग 600 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। इस प्लेसमेंट कैंप में निजी क्षेत्र के संस्थान टेक्नो ब्रेन्स एजुकेशन प्राईवेट लिमिटेड, नंदन स्टील एंड पॉवर लिमिटेड, एलर्ट एस.जी.एस. प्राईवेट लिमिटेड, ब्लूचिप केयर्स प्राईवेट लिमिटेड, संजय ऑटोमोबाईल, पेस गियर अपेरेल्स, एपियर टेक्स एवं रजिस्ट्रेशन, रिलायंस निप्पोन लाईफइन्शोरेन्स, बत्रा दीपक एंड एसोसियेट इंडिया प्राईवेट लिमिटेड, बॉम्बे इंटेलिजेंस सिक्युरिटी लिमिटेड, शिवशक्ति बायोटेक्नोलॉजी, भारत लाईट होम्स, श्रृजन शॉप आदि शामिल होंगे। इन संस्थानों द्वारा सेल्स एंड मार्केटिंग, ट्रेनर, टेलीकॉलर, फिटर, टर्नर, फील्ड ऑफिसर, सिक्युरिटी गार्ड, असिस्टेंट ब्रांच हेड, सेल्स पर्सन, बिजनेस डेवलपमेंट एक्जिक्युटिव, वेयर हाऊस पेकर एंड चेकर आदि प्रकार के पदों पर भर्ती किया होगी। सहायक संचालक जिला कौशल विकास प्राधिकरण रायपुर ने बताया कि रायपुर जिले के वे युवा, जो कम से कम 10वीं परीक्षा उत्तीर्ण है, और जिनकी आयु 18 वर्ष से 35 वर्ष तक हो, वे युवा अपने सभी प्रमाण पत्रों के मूल एवं सत्यापित प्रतिलिपि के साथ इस प्लेसमेंट कैंप में साक्षात्कार के लिये उपस्थित हो सकते हैं।

महापौर ने अमृत मिशन के कार्यों, टैंकरों से जलापूर्ति को लेकर जल अभियंताओं की बैठक ली

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के महापौर एजाज ढेबर ने जल कार्य विभाग के अध्यक्ष सतनाम सिंह पनाग सहित प्रभारी अधीक्षण अभियन्ता जल बी. एल. चंद्राकर, कार्यपालन अभियन्ता अमृत मिशन अंशुल शर्मा, प्रभारी कार्यपालन अभियन्ता फिल्टरप्लांट नर सिंग फरेन्द्र, सभी जोनों के जल विभाग के सहायक अभियंताओं, उप अभियंताओं की उपस्थिति में अमृत मिशन के पाईप लाईन सम्बंधित कार्यों की प्रगति की जानकारी लेकर समीक्षा की. महापौर एजाज ढेबर ने जोनवार एवं वार्डवार अमृत मिशन के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली. अधिकारियों ने सभी स्थानों पर अमृत मिशन के अन्तर्गत कार्यों को पूर्णता की ओर अग्रसर होने की जानकारी दी. निगम जोन 3 के तहत गुरू गोविन्द सिंह वार्ड में तकनीकी कारणों के चलते पाईप लाईन विस्तार के कार्यों में विलम्ब होने की जानकारी पर महापौर ने सम्बंधित अधिकारियों को तेजी से कार्य करके उसे शीघ्र पूर्ण करने निर्देशित किया है. अधिकारियों ने बताया कि हाउसिंग बोर्ड की कालोनियों में भी शहर क्षेत्र में तेज गर्मी के चलते बोर सूख जाने की जानकारी पर पानी टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है।

सामूहिक कन्या विवाह में 43 बेटियों के हाथ हुए पीले

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से बेटियों के विवाह की चिंता हुई दूर: मंत्री भगत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य और संस्कृति मंत्री तथा गरियाबंद जिले के प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत गरियाबंद में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत आयोजित सामूहिक कन्या विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से बेटियों के विवाह की चिंता दूर हुई है। श्री भगत ने नवविवाहित दंपत्तियों को बधाई देते हुए कहा कि राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में सभी वर्गो के लिए जन कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

किसान, मजदूर, युवा, बुजुर्ग सहित सभी वर्ग विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुखिया ने गरीब परिवारों की चिंता करते हुए उनके बेटियों के विवाह के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत राशि को 25 हजार रूपये से बढ़ाकर 50 हजार रूपये किया। इससे विवाह के समय होने वाले खर्च और जरूरी तैयारियों की चिंता दूर हो गई।

जिससे कमजोर एवं गरीब परिवारों के बेटियों के विवाह में होने वाले खर्च की भी बचत हो रही है। जिले में आयोजित सामूहिक कन्या कार्यक्रम में 43 बेटियों के हाथ पीले हुए। सभी जोड़ों का धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह कार्यक्रम जिला मुख्यालय के इन्डोर स्टेडियम सम्पन्न हुआ। इस मौके पर मंत्री श्री भगत सहित राजिम विधायक श्री अमितेश शुक्ल व अन्य जनप्रतिनिधियों ने बेटियों को सुखमय जीवन का आशीर्वाद दिया। मंत्री श्री भगत ने इस दौरान जिले के स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोत्तरी के लिए 3 एम्बुलेंस प्रदान करने की घोषणा की।

कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष संजय नेताम, जनपद अध्यक्ष फिंगेश्वर श्रीमती पुष्पा साहू, जिला पंचायत सभापति श्रीमती मधुबाला रात्रे, सदस्य श्रीमती लक्ष्मी साहू, तेलघानी बोर्ड के सदस्य शैलेन्द्र साहू, वरिष्ठ समाज सेवी भाव सिंह साहू, जनक ध्रुव, कलेक्टर आकाश छिकारा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित कांबले, वनमण्डलाधिकारी मणिवासगन एस, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रीता यादव, एडीएम अविनाश भोई, महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनने तीन दिवसीय सेमीनार में शामिल हुई 300 सौ से अधिक युवतियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हाई स्कूल उत्तीर्ण युवतियों-महिलाओं के लिए नि:शुल्क सॉफ्टवेयर इंजीनिरिंग प्रशिक्षण के लिए जिला प्रशासन द्वारा तीन दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया। इसमें 300 सौ अधिक अभ्यर्थियों शामिल हुए। अभ्यर्थियों ने जिला प्रशासन की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा के हमें यह जानकर बहुत अच्छा लगा कि एप बनाने को सीखने मिलेगा। इससे हमारे कैरियर के परंपरागत विकल्पों के अलावा नए विकल्प अपनाने का अवसर मिलेगा। अन्य अभ्यर्थी ने कहा कि कोडिंग के क्षेत्र में नि:शुल्क प्रशिक्षण मिलना हमारे लिए सुखद अनुभूति होगी और हमें बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम करने का अवसर मिलेगा।

अंतिम दिन सहायक कलेक्टर जयंत नाहटा और नव गुरूकुल संस्था के विशेषज्ञो ने अभ्यर्थियों के प्रश्नों के उत्तर देते हुए ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल होने की अपील की। नाहटा ने कहा कि यह 17 से 29 वर्ष तक आयु वर्ग की युवतियों-महिलाओं के लिए सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में कैरियर बनाने का अच्छा अवसर है। इसमें आवासीय प्रशिक्षण की व्यवस्था है जो कि नि:शुल्क है। इससे प्रशिक्षणार्थी को भोजन आवास की व्यवस्था करने की चिन्ता नहीं रहेगी। वह निश्चिंत होकर पढ़ाई में ध्यान केन्द्रित करेंगी और वह शिक्षकों द्वारा सिखाए जा रहे तकनीक को पूरी तरह ग्रहण करेंगे।

उल्लेखनीय है कि इस स्क्रीनिंग में चयनित अभ्यर्थी को कोडिंग का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। इसके परिणाम जल्द जारी किए जाएंगें।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बगीचा में भी शुरु हुआ ब्लड बैंक, लोगों को मिलेगा लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल की पहल से सभी विकासखंडों में लगातार रक्तदान शिविर का आयोजन कर विकासखंड स्तर पर ही ब्लड स्टोरेज यूनिट स्थापित कराकर लोंगो को इसका लाभ दिया जा रहा है।

इसी कड़ी में आज विकासखंड बगीचा में ब्लड ट्रांसफर अभियान का शुरुआत किया गया और ग्राम रोकड़ापाठ के पहाड़ी कोरवा समुदाय की गर्भवती महिला हीरामुनी बाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बगीचा में 1 यूनिट खून चढ़ाया गया। जिससे संभवत: होने वाला बच्चा और माता दोनों स्वस्थ रहेंगे। इस अवसर पर बीएमओ डॉ. सुनील लकड़ा, बीपीएम सूर्यरत्न गुप्ता, डॉ आनंद दास, श्री बीपी कश्यप और किरण यदुवंशी लैब टेक्नीशियन, स्टाफ नर्स संतोषी यादव और आरएचओ वीना कछप उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि करीब 1 माह पूर्व क्षेत्र भ्रमण के दौरान बीपीएम सूर्यरत्न गुप्ता ने आरएचओ कु वीना कछप से मुलाकत की। आरएचओ कु वीना ने बीपीएम को जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम रोकड़ापाठ में एक पहाड़ी कोरवा हीरामुनी बाई 6 महीने की गर्भवती है, जिसका एचबी 5 ग्राम होने पर भी परिवार के लोगों इलाज से इनकार कर रहे है। बीपीएम सूर्यरत्न गुप्ता, आरएचओ कु वीना कछप और स्वास्थ्य टीम द्वारा उनके घर जाकर घर वालों से बात किया गया और ईलाज कराने के लिए समझाइश दी गई। जिस पर घर वाले इलाज के लिए तैयार हो गए। हीरामुनी को पहले आयरन सुक्रोज का 5 यूनिट दिया गया। जिससे एचबी का स्तर 6 ग्राम हो गया। इसके पश्चात लगातार आयरन की टेबलेट दिया गया।

उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को किया चेक वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उद्योग मंत्री एवं दंतेवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री कवासी लखमा ने आज दंतेवाड़ा के सर्किट हाउस में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के विभिन्न हितग्राहियों को जनसंपर्क निधि का चेक वितरण किया। श्री लखमा ने 54 हितग्राहियों को 5 लाख 93 हजार 500 रूपये के अलग-अलग चेक का वितरण किया। जिसमें विकासखण्ड दंतेवाड़ा के 27 हितग्राहियों को 2 लाख 97 हजार 500 रूपए, विकासखंड कुआकोंडा के 19 हितग्राहियों को 1 लाख 86 हजार, विकासखण्ड गीदम के 7 हितग्राहियों को 95 हजार एवं

विकासखंड कटेकल्याण के 1 हितग्राही को 15 हजार रुपए का चेक दिया गया। साथ ही बेरोजगारी भत्ता योजना के 2 पात्र हितग्राहियों को नियुक्ति आदेश और एक हितग्राही को बेरोजगारी भत्ता स्वीकृति आदेश प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर विधायक श्रीमती देवती महेन्द्र कर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं संबंधित अधिकारीगण मौजूद थे।

गांव में ही महिलाओं को रोजगार के साथ मिली नई पहचान

गौठान में स्थापित रीपा बनाने की परिकल्पना अब हो रही साकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। घरेलू कामों में व्यस्त रहने वाली कई महिलाएं सफलता की नई इबारतें लिख रहीं है। इनमें बलौदाबाजार भाटापारा जिले के विकासखण्ड भाटापारा के ग्राम गुडेलिया एवं विकासखंड पलारी के ग्राम गिर्रा की महिलाएं भी शामिल हैं। जो पेवर ब्लॉक बनाकर अपनी राह मजबूत बना रही है। जिलें में इस तरह पहली बार महिलाएं पेवर ब्लॉक बनाने का काम रही है। इसकी मांग इतनी है की पूर्ति करना मुश्किल हो जा रही हैं। आदर्श ग्राम गुड़ेलिया में नारी शक्ति ग्राम संगठन की महिलाओं द्वारा पेवर ब्लॉक बनाने का कार्य किया जा रहा है।

ग्राम संगठन समूह की सदस्य संतोषी ध्रुव ने बताया कि लगभग 1 माह पूर्व प्रारंभ हुआ उक्त यूनिट से अभी तक कुल 22 ट्रॉली 16500 वर्ग फीट पेवर ब्लॉक का निर्माण एवं सप्लाई हो चुका है। पेवर ब्लॉक की मांग अधिकतर आसपास के ग्राम पंचायतों द्वारा की जा रही है। जिसमें ग्राम धनेली, खपराडीह, लेवई, कडार एवं भरतपुर शामिल है। इसके साथ ही निजी व्यक्तियों द्वारा भी पेवर ब्लॉक की मांग की जा रही है। अभी तक हमारे संगठन को 2 लाख वर्ग फिट का एडवांस ऑर्डर मिल चुका है। जिसकी विक्रय दर 52 लाख रुपये है। जिससे लगभग 12 लाख रुपये का शुद्ध लाभांश नारी शक्ति ग्राम संगठन के सदस्यों को प्राप्त होगा। उन्होंने आगे बताया कि एक वर्गफीट का 26 रुपये दर निर्धारित की गयी है।

जिसमे लगभग 20 रुपये खर्च होता है एवं 6 रुपये की बचत होती है। हमारे यहां 2 प्रकार की पेवर ब्लॉक बनाएं जा रहे है। जिसमें कॉस्मिक एवं जिगजैग प्रकार का शामिल है। कॉस्मिक में 1000 नग में 555 फिट एवं जिगजैग 1000 नग में 357 फिट का पेवर ब्लॉक बन जाता है।

सीमा ध्रुव कहती है की यूनिट के प्रारंभ होने से स्थानीय स्तर में ही हम को रोजगार एवं पर्याप्त मजदूरी साथ ही लाभांश राशि पर्याप्त मिल जा रही है। इसी तरह समूह की अन्य सदस्य मंजू ध्रुव कहती है की रीपा के संचालन से महिला समूह की सभी सदस्य बेहद ही खुश है एवं अतिरिक्त आय प्राप्त कर अपनी जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ परिवार के आर्थिक गतिविधियों में भी अपना हाथ बंटा रही हैं। उन्हें काम की तलाश में अब बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ती।

इसी तरह ग्राम गिर्रा की जय चंडी माँ महिला स्व सहायता समूह के द्वारा पेवर ब्लॉक बनाने का कार्य प्रारंभ किया गया है। उक्त यूनिट में 25 हजार नग पेवर ब्लॉक तैयार कर ली गयी है गौरतलब है कि राज्य शासन की महत्वाकांक्षी नरवा, गरूवा, घुरूवा एवं बाड़ी योजना के अंतर्गत गांव में निर्मित की गई गौठान के माध्यम से अब गांव एवं महिलाओं को एक नयी पहचान मिल रही है। गौठान में स्थापित रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) बनाने की परिकल्पना अब साकार हो रही है ।

कृत्रिम हाथ-पैर के लिए 141 दिव्यांगजनों का चिन्हांकन

राजनांदगांव । कलेक्टर डोमन सिंह के मार्गदर्शन में दिव्यांगजनों का कृत्रिम हाथ-पैर बनाने के लिए डोंगरगांव विकासखंड में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में विशाल हेल्थ शिविर का आयोजन किया गया था। शिविर में 44 हितग्राहियों की माप फिजिकल रिफ्रल रिहैब्लीटेशन सेंटर माना कैम्प रायपुर के तकनीकी दलों द्वारा लेकर उनका कृत्रिम हाथ-पैर तैयार किया जा रहा है। किन्ही कारणों से शिविर में अनुपस्थित कैलीपर्स की आवश्यकता वाले दिव्यांगजनों के लिए जिले के सभी जनपद पंचायत में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से 141 दिव्यांगजनों का चिन्हांकन कर नि:शुल्क कृत्रिम हाथ-पैर के लिए माप लेने फिजिकल रिफ्रल रिहैब्लीटेशन सेंटर माना कैम्प रायपुर को बुलाया जाएगा।

BIG BRAND
Premium Store

30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

वर्मी कम्पोस्ट बैग बना आय का जरिया, गौठानों में किए विक्रय

सिंगल यूज प्लास्टिक की जगह उपभोक्ताओं को मिला वर्मी कम्पोस्ट बैग का विकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्लास्टिक पर्यावरण के लिए एक बहुत बड़ा खतरा है। प्लास्टिक की वजह से प्रदूषण न हो तथा इंसानों और मवेशियों को भी इससे नुकसान न हो इसके लिए सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस प्रतिबंध के चलते गौठानों के जरिए ग्रामीण महिलाओं को रोजगार का नया साधन उपलब्ध हुआ है। गौठानों में महिला स्व सहायता समूह अब वर्मी कंपोस्ट से बैग तैयार कर रही हैं जो सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्प के रूप में पर्यावरण को संरक्षण दे रहा है तथा इससे आय भी अर्जित हो रही है।

राज्य में महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगित पार्क (रीपा) के अंतर्गत मानक रूप वर्मी कम्पोस्ट बैग बनाने का उद्यम स्थापित किए जा रहे हैं। इसके लिए मशीन की स्थापना की जा रही है जिससे समूह की महिलाओं को अपनी आय बढ़ाने में मदद मिल रही है। इस रोजगार से जुड़ी समूह की महिलाएं अब अमानक प्लास्टिक के इस्तेमाल को रोकने के लिए वैकल्पिक उत्पाद जैसे वर्मी कम्पोस्ट बैग, थैले, कागज के लिफाफे और दूसरे सामान बनाने की ओर अग्रसर हैं। इसी तर्ज पर महिला समूह अमानक प्लास्टिक पर असरदार तरीके से बैन लगाने के लिए सस्ते दरों पर वैकल्पिक सामग्रियां उपलब्ध करा रही हैं। इसी क्रम में महासमुंद जिले के बिरकोनी गौठान की ग्रामीण महिलाएं सिरपुर वर्मी कम्पोस्ट नाम से बैग निर्मित कर रही हैं।

राज्य सरकार द्वारा नो प्लास्टिक मुहीम के तहत रीपा के माध्यम से महिला समूहों को रोजगार से जोड़ने की कार्ययोजना बनायी गयी है। बिरकोनी की राम जानकी स्व सहायता महिला समूह द्वारा बनाए गए वर्मी कम्पोस्ट बैग एवं अन्य पैकिंग सामग्री, जरूरत अनुसार गौठनों में और सी-मार्ट में उपलब्ध हो रहे हैं। राम जानकी स्व-सहायता समूह बिरकोनी की रेखा नागपुरे ने बताया कि अब तक उन्हांने 5 हजार वर्मी कम्पोस्ट बैग जिले की गौठानों में मांग अनुसार उपलब्ध कराया है तथा उन्हें और भी ऑर्डर लगातार मिल रहे हैं। समूह की अध्यक्ष के अनुसार यह बैग मानक के अनुरूप और काफी हल्के और मजबूत होने के कारण लाने ले जाने में आसान है जिसकी वजह से इनकी मांग ज्यादा है।

राज्य सरकार की प्रोत्साहन योजना से प्रदेश में लाख की खेती के प्रति बढ़ा किसानों का रूझान

तकनीकी सलाह और प्रशिक्षण मिलने से अब किसान वैज्ञानिक पद्धति से कर रहे लाख की खेती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा लाख उत्पादन को भी खेती का दर्जा दिये जाने तथा विभिन्न प्रोत्साहन योजना के कारण प्रदेश के किसानों में लाख की खेती के प्रति रूझ्ाान बढ़ा है। राज्य शासन द्वारा तकनीकी सलाह और प्रशिक्षण मिलने से अब किसान वैज्ञानिक पद्धति से भी लाख पालन करने लगे है। गौरतलब है कि राज्य के विभिन्न जिलों में परंपरागत रूप से लाख की खेती होती है। प्रदेश में लगभग 50 हजार से अधिक कृषकों द्वारा कुसुम व बेर के वृक्षों पर कुसुमी लाख तथा पलाश एवं बेर वृक्षों पर रंगीनी लाख पालन किया जाता है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर राज्य शासन द्वारा किसानों को लाख की खेती के लिए प्रोत्साहित करने और उनकी आय में वृद्धि के लिए विशेष पहल की जा रही है। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा बीहन लाख आपूर्ति तथा बीहन लाख विक्रय और लाख फसल ऋण की उपलब्धता के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई है। इसी कड़ी में गरियाबंद जिले के किसान लाख उत्पादन कर अधिक मुनाफा अर्जित करने की ओर अग्रसर है। गरियाबंद वनमण्डल अंतर्गत लाख की खेती को बढ़ावा देने के लिए चार क्लस्टरों का चयन किया गया है। चयनित क्लस्टरों में किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से लाख की खेती के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत 761 किसान प्रशिक्षण पाकर 8243 कुसुम वृक्ष और 4849 बेर वृक्षों में लाख की खेती कर रहे हैं। तकनीकी सलाह और मार्गदर्शन मिलने की वजह से जिले के किसान 13 हजार से अधिक वृक्षों में वैज्ञानिक पद्धति से लाख की खेती कर रहे है।

गरियाबंद वनमण्डल के वनसंरक्षक ने बताया कि लाख की खेती को अधिक प्रोत्साहन कर लाख कृषक से बीहन लाख क्रय कर अन्य जिले के कृषकों को भी प्रदाय किया गया है। उन्होंने बताया कि जून-जुलाई 2023 अंतर्गत देवभोग कलस्टर अंतर्गत अब तक 5 कृषकों से 14.53 क्विंटल लाख क्रय किया गया है। इसकी कीमत 5 लाख 75 हजार 527 रूपए है। जिले में लाख की खेती के लिए लाख पालक कृषकों को जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के प्राथमिक साख सहकारी समिति से समन्वय स्थापित कर वित्तीय वर्ष 2022-23 में 66 कृषकों को 23 लाख 25 हजार लोन की राशि वितरित की गई है। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2023-24 में 17 कृषकों को 8 लाख 50 हजार रूपए का लोन दिया गया है।

बता दे कि राज्य में बीहन लाख की कमी को दूर करने के लिए किसानों के पास उपलब्ध बीहन लाख को उचित मूल्य पर क्रय करने के लिए क्रय दर का निर्धारण किया गया है। इसके तहत कुसुमी बीहन लाख (बेर वृक्ष से प्राप्त) तथा रंगीनी बीहन लाख (पलाश वृक्ष से प्राप्त) लाख के लिए दर का निर्धारण किया गया है।

गौठानों से मिल रहे हैं रोजगार के नए अवसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशन में ग्राम सुराजी योजना के तहत स्थापित किए गए गौठान अब आजीविका संवर्धन एवं आर्थिक सशक्तीकरण का पर्याय बन गए हैं। गौठानों में संचालित मल्टी एक्टिविटी से रोजगार के साधन और अवसर तो बढ़ ही रहे हैं साथ ही महिलाएं अब गांव में ही रहकर अपने आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर रही है। ग्रामीण महिलाएं अब घर की कामकाज तक ही सीमित नहीं है बल्कि आय के साधन जुटाकर परिवार की देखरेख और आर्थिक स्वावलंबन में भरपूर मदद कर रही है। राज्य सरकार की ग्राम सुराजी योजना के तहत गांव गांव में बने गौठान अब नई तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। इन गौठानों में मवेशियों के सुरक्षित रखने से लेकर तमाम गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। यहां गोबर से आजीविका का संवर्धन हो रहा है। महासमुंद जिले का ग्राम सिरपुर जनपद पंचायत सरायपाली अंतर्गत आता है। कस्तूरबा स्वयं सहायता समूह की 10 महिलाओं ने चार वर्ष पहले गौठान में कार्य करने का फैसला लिया था। आज वे गोबर बेचकर तथा वर्मी कंपोस्ट बनाकर लाखों रुपए की आय अर्जित कर रही हैं। इसके साथ ही सब्जी बाड़ी, मुर्गी पालन जैसे आय मूलक गतिविधियां भी अपना रही हैं। समूह की सदस्य ने बताया कि वह पहले घर के चूल्हे-चौके तक ही सीमित थी लेकिन समूह से जुड़ने के बाद और गोठान में काम करने के पश्चात एक नई सोच विकसित हुई है। अब गोठान के माध्यम से वे स्वालंबन की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पहले छात्रावास-आश्रम होंगे दुरूस्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित किए जा रहे सभी छात्रावास-आश्रमों को शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के पहले दुरूस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। छात्रावासों-आश्रमों की साफ-सफाई मरम्मत, पेयजल व्यवस्था, रंग-रोगन और मेस व्यवस्था के लिए सभी आवश्यक इंतजाम करने कहा गया है। गौरतलब है कि छात्रावासों-आश्रमों की व्यवस्था के साथ ही सभी सहायक आयुक्तों को निगरानी समिति की बैठक और पालक-बालक सम्मेलन आहूत करने आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

जारी निर्देश में यह भी कहा गया है कि छात्रावास-आश्रम शालाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को विभागीय योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ-साथ निःशुल्क भोजन, शुद्ध स्वच्छ पेयजल, विद्युत, भवन, योग, स्वास्थ्य परीक्षण, ट्यूशन की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा सभी विद्यार्थियों को नाश्ते में मिलेट को भी शामिल करने कहा गया है। बस्तर एवं सरगुजा संभाग के छात्रावास-आश्रम शालाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए राज्य भ्रमण कराने की योजना का भी क्रियान्वयन किया जाए। छात्रावास-आश्रमों में स्वच्छता संबंधी निर्देश और हाथ धुलाई के चित्र अनिवार्य रूप से दीवारों पर अंकित कराने कहा गया है। विद्यार्थियों को खाने से पहले हाथों को साबून से धोना और साफ कपड़ो से पोछना अनिवार्य कराया जाए। छात्रावासों के आंतरिक दीवारों पर ज्ञानवर्धक चित्र, उपयोगी सामान्य ज्ञान, समय-सारणी तथा छात्रावास-आश्रम से जुड़े अधिकारियों के महत्वपूर्ण टेलीफोन एवं मोबाईल नंबर का उल्लेख किया जाए।

छात्रावास-आश्रमों में प्रवेश के लिए प्राचार्यो, प्रधानाचार्यो और अधीक्षकों के साथ बैठक कर स्कूलों से निम्न आय वर्ग के प्रतिभावान बच्चों के सूची तैयार करने और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर नियमानुसार प्रवेश दिलाने के निर्देश भी दिए गए हैं। रिक्त सीटों पर प्री-मेट्रिक छात्रावासों में कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को नियमानुसार प्रवेश दिया जाए। कन्या छात्रावास एवं आश्रम में पक्का भवन, अधीक्षक, चौकीदार एवं नगर सैनिक के लिए आवास गृह होना चाहिए। अधीक्षक का आवास गृह उसी भवन परिसर में हो तो उसके लिए पृथक निकासी द्वार की व्यवस्था की जाए। भवन में अहाता, बिजली, पेयजल तथा शौचालय समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। कन्या छात्रावास-आश्रमों में महिला नगर सैनिक पदस्थ किए गए है, किन्तु जिन कन्या संस्थाओं में महिला नगर सैनिक पदस्थ नही है, वहां पर रात्रि काल में महिला चौकीदार की व्यवस्था की जाए।

रायपुर में बनेगा सिकल सेल का विश्वस्तरीय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

सेंटर ऑफएक्सीलेंस का फायदा पड़ोसी राज्यों के मरीजों को भी मिलेगा

निःशुल्क जांच और इलाज के साथ सिकलसेल पर होगा शोध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजधानी रायपुर के देवेन्द्र नगर चौक जेल रोड में सिकल सेल संस्थान के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का भूमिपूजन किया। इस संस्थान का 2.96 एकड़ भूमि में किया जाएगा, जिसमें 48 करोड़ 12 लाख रूपए की लागत आएगी। इस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होगी। यह पहल न केवल प्रदेश के लोगों के लिए, बल्कि सीमावर्ती राज्यों के लिए भी लाभप्रद होगी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले साढ़े चार साल में स्वास्थ्य विभाग में अभूतपूर्व कार्य हुए। स्वास्थ्य जांच के लिए हाट बाजार व शहर में अन्य माध्यम से लोगों को सुविधाएं मिली है। मलेरिया मुक्त बस्तर आभियान तथा बाद में मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान चलाया गया जिससे मलेरिया में 65 प्रतिशत तक की कमी आई है। सिकलसेल से छत्तीसगढ़ की आबादी के लगभग 10 प्रतिशत लोग ग्रसित हैं। यह एक बहुत बड़ा आंकड़ा है, इसीलिए यह बड़ी चुनौती भी है। इस चुनौती से निपटने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्धता के साथ लगातार काम कर रही है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में राज्य के सिकलसेल संस्थान का उन्नयन होगा, इससे सुविधाएं बढ़ेगी, शोध कार्यों में तेजी आएगी। सिकलसेल की रोकथाम के लिए इलाज के साथ-साथ जागरूकता भी जरूरी है। यदि रोगी का समय पर सही उपचार शुरू कर दिया जाए, समय पर उन्हें दवाइयां उपलब्ध करा दी जाएं, तो उनके शारीरिक दुष्प्रभावों को कम किया जा सकता है। वे भी लम्बी आयु का जीवन जी सकते हैं। इसके लिए सबसे जरूरी है कि समय पर रोग की पहचान कर ली जाए।

सिकलसेल के अनुवांशिक गुण वाले व्यक्तियों की पहचान से पूर्व करके उन्हें आवश्यक परामर्श दिया जा सकता है, ताकि इस रोग के प्रसार को भी कम किया जा सके। वर्तमान में सिकलसेल संस्थान द्वारा सिकलसेल मरीजों को जांच, परामर्श, उपचार एवं दवाईयों की सुविधा निःशुल्क प्रदान की जा रही है। अक्टूबर 2022 से प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों और शासकीय मेडिकल कॉलेजों में सिकलसेल जांच एवं परामर्श केंद्रों की शुरुआत की जा चुकी है। अब इसे निचले स्तर पर भी विस्तारित किया जा रहा है। विकासखण्ड स्तर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में जांच एवं परामर्श केंद्रों की स्थापना का काम शुरू हो चुका है। इसके बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी इसका विस्तार किया जाएगा। ग्रामीण स्तर पर मितानीनों के माध्यम से सिकलसेल मरीजों की पहचान की जाएगी और फिर उन्हें उपचार उपलब्ध कराया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, रायपुर जिला पंचायत अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा, पूर्व सांसद नंदकुमार साय पद्मश्री डॉ. एटीके दाबके, सिकल सेल महानिदेशक डॉ. उषा जोशी, डीन डॉ. तृप्ति नागरिया, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा मोहम्मद कैसर अब्दुल हक उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने बताया कि 2.96 एकड़ भूमि में सिकल सेल संस्थान छ.ग. रायपुर का उन्नयन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में किया जा रहा है। जिसका निर्माण 48 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा, जिसमें आने वाले समय में मरीजों के हित को ध्यान में रखते हुए सभी प्रकार की आधुनिक सुविधाओं की उपलब्धता होगी। 100 बेड की सुविधा होगी। जिसमें आपात् चिकित्सा, ओटी, आईसीयू, ओपीडी, पुरुष वार्ड व महिला वार्ड तथा किड्स वार्ड का निर्माण किया जा रहा है। संस्थान में एक रिसर्च लैब बिल्डिंग भी होगा, जिसमें जेनेटिक लेवल रिसर्च हेतु विभिन्न प्रकार के लैब होंगे, जिससे इस बीमारी के इलाज से संबंधित शोध कार्य किया जा सकेगा।

संस्थान में 250 व्यक्तियों की क्षमता का एक ऑडिटोरियम और रिक्रिएशनल ब्लॉक का भी निर्माण किया जा रहा है, ताकि सिकल सेल से पीड़ित बच्चों का मनोरंजन किया जा सके। इसी भवन में कैंटीन का निर्माण किया जा रहा है, ताकि दूर-दराज से मरीज के साथ आए हुए परिजन कैंटीन से भोजन प्राप्त कर सके। इसके अलावा संस्थान में एक प्रशिक्षण ब्लॉक का भी निर्माण किया जा रहा है, जिसमें सिकल सेल से संबंधित स्टॉफ के लिए ट्रेनिंग सेंटर, क्लास रूम व रुकने की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। नवीन भवन परिसर में डॉक्टर्स के लिए 24 फ्लैट का निर्माण किया जा रहा है, ताकि 24 घंटे डॉक्टर की उपलब्धता बनी रहे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

क्या रोज-रोज साबुन से नहाना है स्किन के लिए खतरनाक? इससे शरीर को क्या नुकसान होते हैं

रोजाना नहाना जरूरी होता है क्योंकि इससे हमारा शरीर साफ होता है। ऐसे में अगर आपसे पूछा जाए कि आप किस चीज से नहाते हैं तो यकीनन आपका जवाब होगा साबुन और पानी से। किसी भी मौसम में हर दिन हम किसी ना किसी साबुन का इस्तेमाल करते ही हैं। कुछ लोग साबुन का कुछ ज्यादा ही इस्तेमाल करते हैं और कुछ लोग बिना साबुन के ही नहा लेते हैं। लेकिन सवाल अब ये उठता है कि साबुन से नहाना सेहत के लिए कितना जरूरी होता है। क्या हमें रोज साबुन का इस्तेमाल नहाते वक्त करना चाहिए या नहीं जानते हैं डर्मेटोलॉजिस्ट से।

क्या हर रोज साबुन से नहाना होता है फायदेमंद?

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर और डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. युगल राजपूत बताते हैं कि साबुन से रोज नहाने के कई फायदे होते हैं। साबुन हमारी स्किन से डेड टिश्यू बैक्टीरिया और फंगस को साफ करने में मदद करता है। इससे हमारी स्किन पर इंफेक्शन नहीं होता और शरीर से बदबू भी नहीं आती। साबुन से हमारी त्वचा पर जमी धूल और गंदगी हट जाती है। इसके अलावा डेड स्किन भी हट जाती है। हर मौसम में साबुन फायदेमंद होता है।

सर्दियों में इस तरह करें साबुन का इस्तेमाल

डॉ. युगल राजपूत कहते हैं कि सर्दियों में नहाने के लिए मॉइश्चराइजिंग साबुन का इस्तेमाल करना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। इससे आपकी स्किन ड्राई नहीं होती और स्किन में नमी बनी रहती है। एंटीबैक्टीरियल साबुन के लिमिटेड फायदे होते हैं। अगर आप महंगे मॉइश्चराइजिंग साबुन नहीं खरीदना चाहते तो नॉर्मल साबुन भी इस्तेमाल कर सकते हैं। नॉर्मल साबुन के इस्तेमाल से स्किन ड्राई हो सकती है, ऐसे में नहाने के बाद मॉइश्चराइजर लगाना चाहिए। मॉइश्चराइजर लगाने से आपकी ड्राई स्किन की समस्या दूर हो जाएगी।

रोजाना साबुन से नहाने के लाभ

रोजाना साबुन से नहाने के कुछ लाभ हैं जो इस प्रकार हैं:-

त्वचा की सफाई करता है

नहाते समय साबुन त्वचा से गंदगी, तेल, धूल और मेकअप को हटा देता है। यह त्वचा को बैक्टीरिया और अन्य कीटाणुओं से भी मुक्त करता है।

त्वचा को मुलायम और मॉइस्चराइज करता है

साबुन त्वचा की नमी को बरकरार रखता है और त्वचा को मुलायम बनाता है। यह त्वचा को सुगंधित और स्वस्थ रखने में मदद करता है।

त्वचा की झाइयां कम करता है

साबुन त्वचा की झाइयां कम करता है और त्वचा को चमकदार बनाता है।

संतुलित त्वचा के लिए मददगार

साबुन त्वचा के तैलीय प्रदर्शन को नियंत्रित करता है और त्वचा को संतुलित रखता है। यह त्वचा को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रखने में मदद करता है।

शुष्क और चिड़चिड़ी त्वचा के लिए उपयुक्त

साबुन त्वचा के रूखेपन को कम करता है और उसे रूखा नहीं होने देता।

रोजाना साबुन लगाने के नुकसान

■ रोज साबुन से नहाने से ये त्वचा के नैचुरल ऑयल खत्म कर देता है।

■ नियमित रूप से साबुन के उपयोग से त्वचा का पीएच संतुलन भी खराब होता है, जिससे ड्राइनेस और जलन बढ़ सकती है।

■ एंटी बैक्टीरियल साबुन विशेष रूप से हानिकारक होते हैं क्योंकि वे बुरे के साथ लाभकारी रोगाणुओं को भी मारते हैं।

■ साबुन आपकी एसिड मेंटल को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जिससे आपको कई मुंहासे, झर्रियां और सूजन का सामना करना पड़ सकता है।

साबुन के बजाए इन चीजों का करें इस्तेमाल

■ क्लींजिंग ऑयल- ऑयल बेस्ड क्लींजर स्किन के लिए स्वस्थ विकल्प है। यह बिना कोई नुकसान पहुंचाए शरीर की गंदगी को साफ करता है।

■ ड्राई ब्रशिंग- ड्राई ब्रश का उपयोग आपकी त्वाचा को एक्सफोलिएट करता है और इसे सही करने की प्रक्रिया को तेज करता है, जिससे वह ताजा दिखता है।

■ ऑल-नैचुरल स्क्रब- आप चाहें तो घर में ही नैचुरल स्क्रब तैयार कर उसका सेवन कर सकते हैं। ऐसा करने से कोई साइड इफेक्ट्स भी नहीं होगा।

निम्रत कौर ने किया दसवीं का सीक्वल आने की खबरों का खंडन

बीते साल ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आई फिल्म दसवीं को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। फिल्म की न सिर्फ कहानी को सराहा गया था बल्कि सितारों के प्रदर्शन की भी तारीफ हुई थी। अब कुछ समय पहले खबर आई थी कि फिल्म के सीच्ल को मंजूरी मिल गई है और इसकी पटकथा पर काम चल रहा है, जिसके बाद दर्शक भी उत्सुक हो गए थे। हालांकि, अब अभिनेत्री निम्रत कौर ने सीक्वल की इन खबरों का खंडन कर दिया है। जब निम्रत से दसवीं के सीक्वल आने की खबरों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, नहीं, यह सच नहीं है। यह बिल्कुल अफवाह है। मैंने इसके बारे में नहीं सुना है और इसलिए मेरे पास कहने के लिए कुछ भी नहीं है। अगर यह सच होता तो मैं इसे किसी और के जानने से पहले ही जान चुकी होती। रिपोर्ट के अनुसार, दसवीं के सीक्वल पर काम चल रहा था और जल्द इसकी शूटिंग भी शुरू की जानी थी। निर्देशक तुषार जलोटा ने पटकथा पर काम करना शुरू कर दिया है, जिसकी मंजूरी वह निर्माता दिनेश विजान से भी ले चुके थे। साथ ही कहा गया था कि फिल्म को साल के अंत तक लाने की तैयारी की जा रही थी। ज्ञात हो कि दसवीं में निम्रत के साथ अभिषेक बच्चन और यामी गौतम नजर आए थे। हाल ही में निम्रत डिज्नी+ हॉटस्टार पर आए शो स्कूल ऑफ लाइज में नजर आई हैं। इसमें निम्रत एक बोर्डिंग स्कूल में करियर काउंसलर की भूमिका अदा कर रही हैं, जहां से एक बच्चा गायब हो जाता है। निम्रत ने कहा, यह जानकर बहुत खुशी हुई कि न केवल फिल्म बिरादरी बल्कि हर कोई जो भी शो देख रहा है, उसे पसंद आया है। यह एक ऐसा शो है, जिसमें दिखाई गई कहानी से हर कोई वाकिफ है। निम्रत का कहना है कि ओटीटी के बाद से ही उनके पास आने वाली स्क्रिप्ट में भी काफी बदलाव आया है। उन्होंने कहा, अब चीजें एक हजार गुना बेहतर हुई हैं। ओटीटी के साथ कंटेंट की बाढ़ सी आ गई और एक अभिनेता के रूप में मुझे बहुत विकल्प मिल गए हैं, जिनसे मैं चुन सकती हूं। उन्होंने कहा, अब हम केवल टीवी या फिल्मों से प्रेरित नहीं हैं। हमारे बीच में ओटीटी नाम का यह विशाल पुल है। निम्रत अब जल्द ही फाउंडेशन सीजन 2 में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा वह शिक्षकों के संघर्षों को दिखाती दिनेश विजान की फिल्म हैप्पी टीचर्स डे का भी हिस्सा हैं। इसके अलावा वह सेक्शन 84 में भी दिखाई देंगे।

गर्मी में ज्यादा देर मोजा पहनने से पैरों को हो सकता है ये गंभीर नुकसान, बदबू इसका लक्षण तो नहीं

मौसम में बदलाव आते रहते हैं कभी ठंडी आती है तो कभी गर्मी कभी बारिश का मौसम आता है तो कभी पतझड़ का लेकिन अगर किसी चीज में बदलाव नहीं आता तो वह है रोज ऑफिस या स्कूल जाना। तो फिर चाहे सर्दी हो या गर्मी हर मौसम में व्यक्ति मोजा पहनता ही है। ऑफिस जाना हुआ तो मोजा, स्कूल जाना हुआ तो मोजा। हालांकि, बच्चे तो सिर्फ कुछ देर के लिए ही मोजा पहनते हैं लेकिन बड़े जो ऑफिस जाते हैं उन्हें दिन भर मोजा पहने रहना पड़ता है। लेकिन ज्यादा देर तक मोजा पहनना सेहत के लिए ठीक नहीं होता है, खासकर गर्मी में। अगर आप टाइट मोजा पहन रहें हैं तो इससे आपको और भी समस्याएं हो सकती हैं। आइए जानते हैं देर तक मोजा पहनने से क्या नुकसान हो सकता है।

ब्लड सर्कुलेशन पर पड़ता है असर

ज्यादा देर टाइट मोजा पहनने से पैरों में सूजन आने लगती है और ब्लड सर्कुलेशन कम होने लगता है। इससे बेचैनी और अचानक गर्मी लगने लगती है। पूरे दिन मोजा पहनने से पैरों में अकड़न भी हो सकती है और पंजा सुन्न भी पड़ सकता है।

पैरों की त्वचा हो सकती है खराब

गर्मी में लगातार मोजा पहनने से पैरों में पसीना आने लगता है जिससे पैर की स्किन खराब हो सकती हैं। कुछ लोग कॉटन के मोजे के बजाए सस्ता मोजा खरीद लेते हैं जिससे इसकी समस्या और बढ़ सकती है। जूते के अंदर तलवा बंद रहने से पसीना ज्यादा आता है, इससे नमी पैदा होती है। फंगल इंफेक्शन होने की समस्या बढ़ जाती है और पैरों की त्वचा खराब होने लगती है। ऐसे में मोजे की क्वालिटी का भी खास ध्यान रखें।

हो सकता है एडीमा

शरीर के किसी हिस्से में लिक्विड चीज का एक जगह जमना और उससे सूजन आना, एडीमा का लक्षण है। काफी देर तक एक ही मुद्रा में बैठे रहने या खड़े रहने से पैर सुन्न होने की शिकायत होती है। अगर ऐसा न होने के बावजूद पैर सुन्न हो रहे हों तो यह मोजे की गड़बड़ी का संकेत भी हो सकता है।

फंगल इंफेक्शन होने का खतरा

पैरों से निकलने वाला पसीना मोजा ही सोखता है। ज्यादा देर तक मोजा पहनने से या टाइट मोजा पहनने से पसीना सूख नहीं पाता है। इसकी वजह से मोजे में बैक्टीरिया पैदा हो जाते हैं जिससे फंगल इंफेक्शन हो सकता है।

हो सकता है वेरिकोज

ज्यादा टाइट मोजे पहनने से वेरिकोज वेंस की समस्या हो सकती है। जिन्हें यह रोग पहले से है, उन्हें मोजे पहनते समय खास सावधानी बरतनी चाहिए वरना स्थिति और भी बिगड़ सकती है।

मोजे खरीदते वक्त इन बातों का दें विषेश ध्यान

मोजे खरीदते वक्त आपको ध्यान रखना चाहिए कि ये सूती हों। आजकल ब्रेथेबल मोजे भी आने लगे हैं। फूटपाथ पर बिकने वाले सस्ते मोजे आपको कई तरह की समस्या दे सकते हैं। इसलिए आपको अच्छे मोजे पहनने चाहिए साथ ही बहुत टाइट या बहुत ज्यादा देर तक मोजे नहीं पहनने चाहिए।

रात को मोजा पहनकर ना सोएं

रात में सोने से पहले मोजा उतारकर सोएं नहीं तो हो सकती है कुछ गंभीर समस्या जैसे:-

■ मोजा पहनकर सोने से आप हाइ ब्लड प्रेशर का शिकार हो सकते हैं।

■ रात में मोजा पहनकर सोने से पैरों की हाइजीन खराब हो सकती है।

■ टाइट मोजा रात भर पहनने से स्किन इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है।

■ देर तक टाइट मोजा पहनने से शरीर गर्म हो सकती है और अजीब सी बेचैनी महसूस कर सकते हैं ।

■ मोजा पहनकर आप सुकून भरी नींद नहीं ले पाएंगे।

अवनीत कौर ने खुली जुल्फों, कजरारी आंखों और बिंदास अदाओं से फैंस को कुछ यूं किया घायल

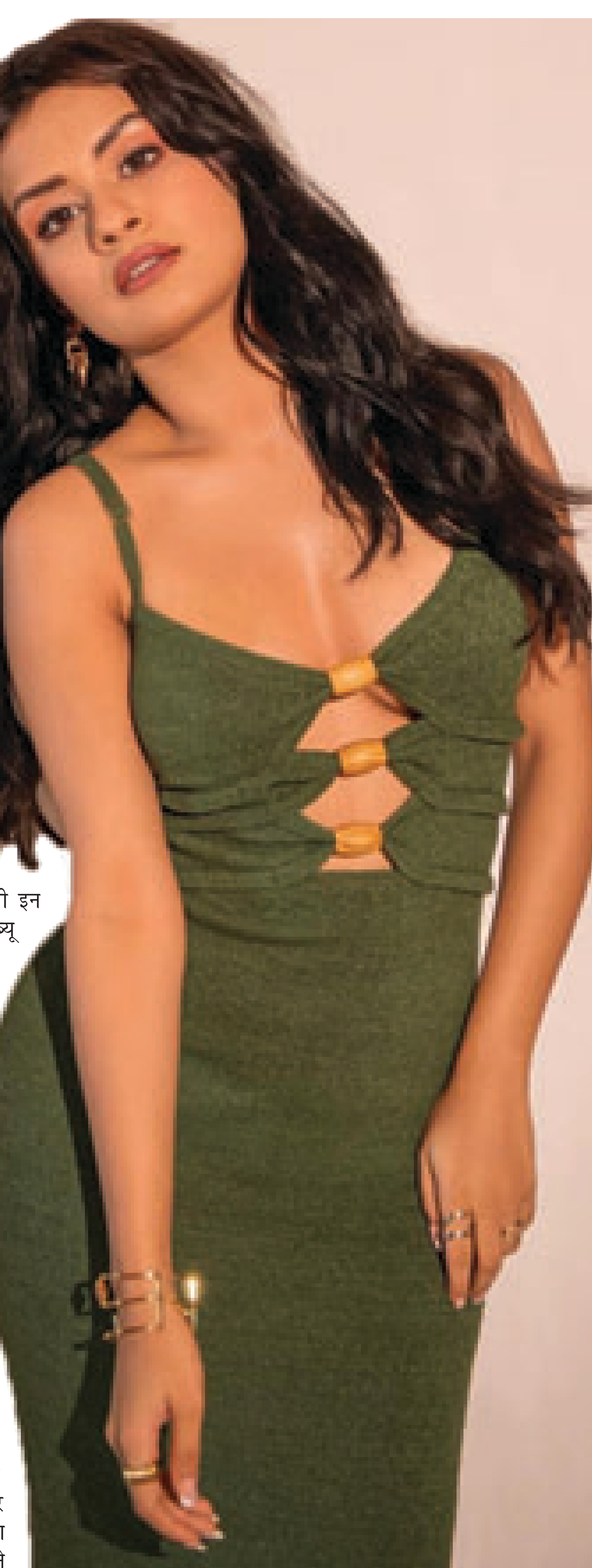

हॉट एंड ब्यूटीफुल एक्ट्रेस अवनीत कौर अपनी आने वाली फिल्म टीकू वेड्स शेरू के प्रमोशन में बिजी हैं। अपनी व्यस्ता के बीच एक्ट्रेस ने अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। सोशल मीडिया पर शेयर की गई अवनीत कौर की हॉट एंड बोल्ड तस्वीरों ने कोहराम मचा दिया है। अवनीत अपनी खुली जुल्फों और कजरारी आंखों से फैंस के दिलों पर बिजलियां गिराती हुई नजर आ रही है। वहीं, फैंस भी उनकी इन तस्वीरों देखकर अपना होश खो बैठे है। टीवी से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर इन दिनों अपने हॉट एंड बोल्ड लुक्स के चलते काफी सुर्खियां बटौर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं, जिनमें वो कहर बरपाती नजर आ रही हैं। इंस्टाग्राम-फेसबुक पर पोस्ट की गई इन तस्वीरों में अवनीत कौर के आउटफिट को देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। वैसे तो अवनीत कौर अपने हॉट एंड ब्यूटीफुल लुस्क की वजह से चर्चाओं में रहती है, लेकिन अपने इस लुक में वह फैंस के दिलों पर बिजलियां गिराते हुए नजर आईं। अवनीत कौर ग्रीन रिवीलिंग फ्रंट-कट बॉडी हगिंग गाउन में बेहद हॉट एंड ब्यूटीफुल लग रही हैं। इन तस्वीरों में अवनीत कौर ने मैट मेकअप किया हुआ है और खुली जुल्फों को लहराते हुए वह लोगों की नींद चुरा रही हैं। एक्ट्रेस अपनी कजरारी आंखों और बिंदास अदाओं से कुछ यूं फैंस को अपना दीवाना बनाते हुए नजर दिखाई दे रही हैं। अपनी इन तस्वीरों में अवनीत कौर एक से बढ़कर एक किलर पोज देती दिखाई दे रही हैं। अवनीत कौर इन तस्वीरों में अपनी कर्वी फिगर को फ्लॉन्ट करते हुए नजर आ रहीं हैं, जिसपर लोगों की निगाहें तक थम गईं है। ग्रीन रिवीलिंग गाउन में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने फैंस की हार्टबीट को तेज कर रही हैं। उनके इस किलर लुक ने लोगों को घायल कर दिया है। एक्ट्रेस अवनीत कौर जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं तो उनकी हर एक लुक फैंस के बीच ट्रेंड करने लग जाता है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक 2023-24 का आयोजन 17 जुलाई को हरेली त्यौहार में

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने, प्रतिभागियों को मंच प्रदान करने, उनके खेलो के प्रति जागरूकता बढ़ाने और खेल भावना का विकास करने हेतु राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढिया ओलंपिक 2023-24 का आयोजन 17 जुलाई को हरेली त्यौहार से किया जाएगा। नगर पालिक निगम भिलाई के 1 से 5 जोन में छत्तीसगढिया ओलंपिक का आयोजन 17 जुलाई से 21 अगस्त 2023 तक आयोजित की जाएगी। इस हेतु छत्तीसगढिया ओलंपिक में भाग लेने वाले इच्छुक प्रतिभागियों के लिए खिलाडियों का पंजीयन प्रारंभ हो गया है। पंजीयन हेतु जोन कार्यालय के खेल प्रांगण में काउण्टर तैयार किया गया है। पंजीयन उपरांत ही खेलकूद की विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभागी भाग ले सकेंगे। पंजीयन में प्रतिभागियों को नाम, उम्र, पता, मोबाईल नम्बर एवं पहचान पत्र आवश्यक रूप से पंजीकृत कराना होगा। निगम आयुक्त द्वारा राजीव युवा मितान क्लब स्तर पर नगरीय निकाय के वार्ड पार्षद को संरक्षक, राजीव युवा मितान क्लब के अध्यक्ष को अध्यक्ष, शासकीय विद्यालय के प्राचार्य व प्रधान पाठक को सदस्य एवं उपअभियंता को सदस्य सचिव तथा शारीरिक शिक्षा शिक्षक को सदस्य नियुक्त किया गया है। साथ ही प्रतिभागियों को खेल की नियमावली के अनुसार उन्हें प्रशिक्षण देकर खेल के नियमों से अवगत कराया जाएगा।

दक्षिण पश्चिम मानसून ने दी छत्तीसगढ़ में दस्तक

रायपुर। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार दक्षिण पश्चिम मानसून ने छत्तीसगढ़ में अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है। मौसम विभाग ने दक्षिण छत्तीसगढ़ में भारी से अतिभारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं विभाग ने मानसून के छत्तीसगढ़ प्रवेश की अधिकारिक घोषणा भी कर दी है। मौसम विभाग ने मानसून आगमन की घोषणा करते हुए बताया कि दक्षिण पश्चिम मानसून ने आज दिनांक 23 जून को बस्तर के रास्ते छत्तीसगढ़ में प्रवेश कर लिया है। दक्षिण पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा इस समय रत्नागिरी, बीजापुर निजामाबाद, दुर्ग, डॉल्टनगंज, बक्सर और सिद्धार्थ नगर में है। मानसून के तेजी से आगे बढने के लिए परिस्थितियां पूरी तरह से अनुकूल बनी हुई है। आमतौर पर मानसून 12 से 15 जून के मध्य प्रदेश में पहुंच जाती थी। लेकिन इस वर्ष परिस्थितियां अनुकूल न होने के कारण मानसून देरी से चल रहा है। हालांकि अब प्रदेश में अच्छी बारिश की उम्मीद है। मौसम विभाग ने आगामी तीन दिनों के लिए अलर्ट भी जारी कर दिया है। इसके तहत सुकमा से लेकर जशपुर तक तेज गरज-चमक के साथ वज्रपात होने तथा कई जिलों में भारी से अतिभारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने जिला जेल का औचक निरीक्षण कर परखी व्यवस्था

बालोद। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र यादव के साथ जिला जेल बालोद का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान कलेक्टर और एसपी ने जेल परिसर में बैरक, मेस और अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का पड़ताल किया। उन्होंने बंदियों से बातचीत कर उनका हालचाला जाना एवं उनके आवश्कताओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने बंदियों से बैरकों में साफ-सफाई, पानी की समूचित उपलब्धता, बिजली आदि व्यवस्थाओ के संबंध में जानकारी जानकारी ली। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने जिला जेल परिसर में निर्माणाधीन नये बैरक भवन का अवलोकन किया तथा नए बैरक के निर्माण कार्य में गुणवत्ता के साथ सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने रसोई गृह का निरीक्षण कर बंदियों के लिए बन रहे भोजन की गुणवत्ता को परखा। कलेक्टर श्री शर्मा ने कम अवधी वाले कैदियों के कौशल विकास हेतु कौशल विकास प्रशिक्षण देने के निर्देश जेल अधीक्षक को दिए।

सेफ स्पेस में युवा हो रहे जागरूक

सुकमा। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन एवम नेहरू युवा केंद्र व यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में बच्चों एवम् किशोरों के लिए सेफ स्पेस की स्थापना सुकमा जिले में की जा रही है। इसी कड़ी में दोरनापाल नगर पंचायत में स्थापित सेफ स्पेस का दौरा यूनिसेफ छत्तीसगढ़ की टीम के द्वारा की गई। टीम में यूनिसेफ छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण विशेषज्ञ सुश्री चेतना देसाई, मानसिक स्वास्थ्य राज्य सलाहकार सुश्री स्नेहिल राठौर, जिला सलाहकार/समन्वयक तेजराम सारथी ,आदर्श, सुश्री श्रिया व सुश्री पूजा, बाल कल्याण अधिकारी श्री रविन्द्र शामिल रहे। सेफ स्पेस में किशोर-किशोरी मुख्य रूप स्वयं के मुद्दो जैसे शिक्षा, माहवरी स्वच्छता, बाल विवाह व अन्य विशेष विषयों पर खुल कर चर्चा करते हैं। नेहरू युवा केन्द्र से उपस्थित स्वयं सेवक श्री महेश ने सेफ स्पेस की जानकारी दी,साथ ही नोनी बाबु यूथ क्लब के अध्यक्ष मंगलू यादव द्वारा सेफ स्पेस में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई।

खनिजों से छत्तीसगढ़ को रिकार्ड राजस्व

पहली बार छत्तीसगढ़ में ई-नीलामी से आबंटित किए गए निकिल-क्रोमियम के दो ब्लाक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खनिजों से वर्ष 2022-23 में 12,941 करोड़ रूपये का रिकॉर्ड राजस्व प्राप्त हुआ है। यह राशि वर्ष 2021-22 की तुलना में 636 करोड़ रूपए अधिक है। वर्ष 2021-22 में कुल खनिज राजस्व 12,305 करोड़ रूपए प्राप्त हुआ था। वर्ष 2017-18 में खनिज राजस्व आय लगभग 4911 करोड़ रूपये थी, जिसकी तुलना में वर्ष 2022-23 में खनिज राजस्व आय ढाई गुना से ज्यादा है। खनिज साधन विभाग के विशेष सचिव जे.पी. मौर्य की अध्यक्षता में आयोजित जिला खनि अधिकारियों की समीक्षा बैठक में यह जानकारी दी गई।

विशेष सचिव श्री मौर्य ने बताया कि खनिज साधन विभाग द्वारा बहुमूल्य और सामरिक महत्व के खनिजों के अन्वेषण पर जोर दिया जा रहा है। इन खनिजों में निकिल, क्रोमियम, ग्रेफाइट, गोल्ड तथा डायमण्ड जैसे खनिज हैं। पिछले वर्ष 20 महत्वपूर्ण खनिज ब्लाकों का आबंटन ई-नीलामी के माध्यम से किया गया। इन ब्लाकों में देश में पहली बार महासमुंद जिले के निकिल-क्रोमियम के दो ब्लाक भी आबंटित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2015 के बाद कुल 29 खनिज ब्लाक आबंटित किए गए हैं, जिनमें से पिछले वर्ष 20 ब्लाक ई-नीलामी से आबंटित किए गए हैं। जिससे राज्य शासन को 01 लाख करोड़ रूपए से ज्यादा राशि प्राप्त होगी।

विशेष सचिव श्री मौर्य ने बैठक में वर्ष 2022-23 में जिलेवार प्राप्त खनिज राजस्व की समीक्षा की। बैठक के दौरान वर्ष 2023-24 हेतु निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य-योजना पर विस्तृत विचार विमर्श किया गया। इस संदर्भ में लौह अयस्क एवं कोयला खानों के लंबित कर निर्धारण, कॉमन कॉस प्रकरण अंतर्गत क्षमता से अधिक खनन, विशेष खनिपट्टों में, निर्माण विभाग में उपयोगित गौण खनिजों पर देय राशि की वसूली सहित खनिज राजस्व बकाया, अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर अधिरोपित दण्ड इत्यादि की वसूली हेतु की गई कार्यवाही की समीक्षा की गई। साथ ही खनिपट्टों में क्षमता से कम उत्पादन पर एमडीपीए अनुसार परफॉर्मेंस सिक्यूरिटी अप्रोप्रियेशन किये जाने के सख्त निर्देश अधिकारियों को दिये गये।

बैठक में खनिज साधन विभाग के संयुक्त संचालक अनुराग दीवान ने बताया कि विभाग द्वारा राज्य में अन्वेषण कार्यों में अन्य शासकीय एवं निजी संस्थानों को शामिल करते हुए बहुमूल्य एवं सामरिक महत्व के खनिजों के अन्वेषण पर जोर देते हुए 46 अन्वेषण योजनाएं संचालित है। साथ ही विभाग द्वारा इस हेतु क्षमता विकास हेतु नवीन ड्रिलिंग मशीनों, ट्रकों एवं वाहनों सहित विभाग द्वारा एनएमईटी फंड से लगभग 05 करोड़ के विशेष अन्वेषण उपकरणों के क्रय की कार्यवाही की जा रही है। बैठक में विशेष सचिव द्वारा विभागीय कार्यों के बढ़े हुए जिम्मेदारियों को दृष्टिगत रखते हुए वर्ष 2004 में अनुमोदित सेटअप में युक्तियुक्त वृध्दि हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। विभाग द्वारा वर्ष 2022-23 में 02 चूनापत्थर, 09 लौह अयस्क, 05 बॉक्साइट ब्लॉक्स, 02 निकल-क्रोमियम पीजीई एवं 02 ग्रेफाईट खनिज सहित कुल 20 ब्लॉक्स का ई-ऑक्शन के माध्यम से खनिपट्टा/कंपोजिट लायसेंस आबंटन किया गया।

बैठक में विशेष सचिव द्वारा खनिज राजस्व आय में और अधिक वृध्दि हेतु अधिकाधिक खानों के पारदर्शी आबंटन, कोयला एवं अन्य आबंटित खानों का यथाशीघ्र संचालन हेतु राजस्व, वन, पर्यावरण सम्मति हेतु इन विभागों से प्रभावी समन्वय तथा शिथिल खदानों को लेप्स घोषित किया जाकर पुनः आबंटन कार्यवाही के निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि इस संबंध में शासन को प्रस्ताव यथाशीघ्र भेजे जाए। साथ ही प्रशासनिक कसावट की बात कही गई।

अर्बन इंडस्ट्रियल पार्क के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में लघु उद्यम को बढ़ावा देने की दिशा में करें कार्य - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह ने कलेक्टोरेट शक्ति कक्ष में नगरीय निकायों के विकास कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर सिंह ने नगरीय निकाय क्षेत्रों में चल रहे शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं गोधन न्याय योजना के अंतर्गत गौठानों में गोबर खरीदी एवं वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन, अर्बन इंडस्ट्रियल पार्क, बेरोजगारी भत्ता, आयुष्मान कार्ड, नालियों की साफ-सफाई, पेयजल, सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्रवाई, सड़क मरम्मत, कूड़ा निस्तारण सहित अन्य कार्यों की समीक्षा की।

कलेक्टर ने बताया कि शासन की महत्वपूर्ण योजना अर्बन इंडस्ट्रियल पार्क के अंतर्गत राजनांदगांव नगर निगम के लिए ग्राम कन्हारपुरी और डोंगरगढ़ नगर पालिका परिषद के बधियाटोला में स्थान का चिन्हांकन किया गया है। अर्बन इंडस्ट्रियल पार्क यूपा के अधोसंरचना एवं लघु उद्योगों के लिए आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने गोधन न्याय योजना के अंतर्गत गोबर खरीदी, उत्पादन एवं विक्रय की समीक्षा करते हुए कहा कि लक्ष्य के अनुरूप कार्य करते हुए तेजी लायें। उन्होंने वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन के साथ उसकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने कहा। वर्मी कम्पोस्ट की गुणवत्ता बनी रहनी चाहिए, जिसकी शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। शहर के गौठानों में उत्पादित वर्मी कम्पोस्ट का उठाव शीघ्र करने के निर्देश दिए। उन्होंने गौठान में बन रहे गोबर पेंट के अलावा अन्य उत्पादों के निर्माण के संबंध में भी जानकारी ली।

कलेक्टर सिंह ने सभी नगरीय निकाय क्षेत्र अंतर्गत सभी वार्डों में बारिश के पूर्व छोटी-बड़ी नालियों की साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। जिससे पानी निकासी बेहतर हो सके और लोगों को बारिश के दिनों में परेशानी का सामना ना करना पड़े। उन्होंने नगरीय क्षेत्र के सभी शासकीय कार्यालयों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग को दुरूस्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि 24 जून को जिले के सभी विद्यालयों में स्वच्छता महाअभियान चलाया जाएगा। स्वच्छता महाअभियान सभी शासकीय स्कूलों में सुबह 7 बजे से सुबह 9 बजे तक चलेगा। उन्होंने कहा कि शहर के सभी स्कूलों में सफाई के दौरान कचरा एकत्रित नहीं होना चाहिए, इसके लिए उचित निपटान करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस महाअभियान में जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों, नागरिकों एवं शिक्षकों सहित अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं। जिससे बच्चों के स्कूल प्रवेश से पहले विद्यालय की साफ-सफाई हो सके और बच्चों को अच्छा वातावरण मिल सके। उन्होंने स्कूलों के सामने बारिश का पानी रूके नहीं इसके लिए उचित उपाय करने के निर्देश दिए।

रानी सूर्यमुखी देवी के स्मृति में निःशुल्क कला शिविर संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। चक्रधर कत्थक कल्याण केन्द्र द्वारा आयोजित एवं छत्तीसगढ़ संस्कृति विभाग छ.ग. शासन एवं राजगामी संपदा ट्रस्ट राजनांदगांव के सहयोग से रानी सूर्यमुखी देवी स्मृति संस्कार 2023 ग्रीष्मकालीन निःशुल्क कला शिविर ग्रामीण मजदूर किसान एवं अन्य वर्गो के ग्रामीण युवा एवं बच्चों को निःशुल्क कला शिविर के माध्यम से योगा, व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार एवं शास्त्रीय कत्थक नृत्य, पारंपरिक लोक नृत्य, चित्रकला, क्राफ्ट आदि विषयों में लगभग 250 (दो सौ पचास) युवा एवं बच्चों ने कला की बारिकियों को सीखा।

ज्ञात हो कि चक्रधर कत्थक कल्याण केन्द्र के संस्थापक एवं निःशुल्क कला शिविर के संयोजक डॉ. कृष्ण कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में विगत तीस वर्षो से नियमित रूप से जारी है।

निःशुल्क कला शिविर का मुख्य उद्देश्य है युवाओं और बच्चों में मौलिक अभिव्यक्ति, रचनाधर्मिता और सृजनशीलता व कलात्मक रूचि पैदा करना और अपनी पुरातन कला एवं संस्कृति के प्रति रूझान पैदा हो और अपनी प्राच्यकला कि सुन्दरता एवं विशेषताओं से परिचित हो सके। संचालनालय संस्कृति एवं राजभाषा विभाग छत्तीसगढ़ शासन एवं राजगामी संपदा ट्रस्ट राजनांदगांव के सहयोग से आयोजित रानी सूर्यमुखी देवी स्मृति संस्कार निःशुल्क कला शिविर का समापन समारोह विश्व संगीत दिवस एवं विश्व योग दिवस के अवसर पर आयोजित समापन समारोह के अतिथिगण प्रो. योगेन्द्र त्रिपाठी, अध्यक्ष निदेशक कला अकादमी छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद संस्कृति विभाग छ.ग.शासन, माननीय विवेक वासनिक जी अध्यक्ष राजगामी सम्पदा ट्रस्ट राजनांदगांव एवं डॉ. रेणुका गहिने जी (डीन) भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी बाजपेयी स्मृति शास.चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव थे। इस अवसर पर रानी सूर्यमुखी देवी स्मृति विशिष्ट सम्मान चिकित्सा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए डॉ. रेणुका गहिने जी को सम्मानित किया गया।

अपनी तुलिका के माध्यम से इन्द्रधनुषीय रंग भरने वाले अंतर्राष्ट्रीय चित्रकार प्रो.योगेन्द्र त्रिपाठी जी को रानी सूर्यमुखी देवी स्मृति कला रत्न सम्मान से अलंकृत किया गया। छत्तीसगढ़ी संगीत को अखिल भारतीय स्तर में पहचान दिलाने के लिए संगीत निदेशक एवं हारमोनियम वादक विवेक वासनिक को रानी सूर्यमुखी देवी स्मृति कला रत्न सम्मान से विभूषित किया गया।

अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में आकर एक बार फिर से झूठ परोसा - कांग्रेस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भिलाई का भाषण हमे भारतीय जनता पार्टी के परंपरा के अनुरूप एक व्यर्थ प्रलाप के आलावा कुछ भी नहीं था। भारतीय जनता पार्टी के परंपरा के अनुसार झूठ बोलने में अपनी महारत को प्रदर्शित किया।

अमित शाह ने झूठ बोला है केन्द्र की सरकार ने किसानों को 74000 करोड़ रूपया दिया है। मोदी सरकार ने छत्तीसगढ़ के किसानों के लिये एक भी रूपया नहीं दिया है। सत्य तो ये है कि छत्तीसगढ़ के किसानों को केन्द्र सरकार द्वारा मिलने वाली सम्मान निधी जो की 6000 रू. प्रति कृषक है वह भी तीन किस्तो में मिलता है और तरह-तरह के बहाने से किसानों का नाम विलोपित करने का काम किया जाता है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने कहा कि केन्द्र की सरकार कितनी संवेदन शील किसानों के प्रति उनके द्वारा तीन काले कानून है जिसे किसानों के भंयकर विरूद्ध के कारण केन्द्र सरकार को वापस लेना पड़ा। बेहयायी की हद तो तब हो गयी जब किसानों को खालिस्तानी पाकिस्तानी आंदोलन जिवी जैसे अपमान जनक शब्दो सें संबोधित किया। सड़को पर किले बिछाई गयी और हर संभव किसानों का मनोबल तोडने का प्रयास किया गया। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने कहा कि यह भी झूठ है कि केन्द्र सरकार धान खरीदी करती है। वास्तविकता ये है धान खरीदी का काम छत्तीसगढ़ की सरकार मार्कफेड के माध्यम से करती है। बारदाना खरीदी से लेकर तोलाई परिवहन और कस्टम मिलिंग तक का काम राज्य सरकार करती है और जब चावल एफसीआई में जमा किया जाता है उसके उपरांत केन्द्र सरकार चावल की राशि राज्य सरकार को उपलब्ध कराती है। इस प्रक्रिया में बैंको का ब्याज और धान में होने वाली क्षति को छत्तीसगढ़ की सरकार वहन करती है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने कहा कि यह भी झूठ है कि छत्तीसगढ़ की सरकार ने किसानों को 14 करोड़ रू. दिया है। भूपेश सरकार ने किसानों को 1.50 लाख करोड़ रू. दिया है। जबकि पिछले पांच सीजन की खरीदी में 25000 करोड़ रू. राजीव गांधी किसान न्याय योजना एवं 2018 के सीधी खरीदी को मिलाकर राज्य सरकार ने किसानों के खाते में भुगतान किया। इसके आलावा लगभग 95000 करोड़ रू. धान खरीदी का किसानों को उनके खाते में भुगतान किया गया। इस तरह से छत्तीसगढ़ सरकार ने माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी के नेतृत्व में पिछले पांच सीजन में 1 लाख 50 हजार करोड़ का भुगतान सीधा-सीधा किसानों को किया है जो कि केन्द्र सरकार के तथा-कथित 74000 करोड़ से कही ज्यादा है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने कहा कि केन्द्र की सरकार ने नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद डीजल के दाम, खाद के दाम और कीटनाशक दवाईयो के दाम में निरंतर वृद्धि की है जिसके परिणाम स्वरूप कृषि की लागत कई गुना बढ़ चुकी है। जबकि केन्द्र की सरकार ने समर्थन मूल्य ऊट के मुंह में जीरा की तरह बढ़ाया है। केन्द्र की मोदी सरकार किसान विरोधी है, कृषि विरोधी है और चंद उद्योगपतियों के हितो के लिये किसानों के हितो को बलि चढ़ा रही है।

काठ की हान्डी चुल्हे में एक बार चढ़ती है बार-बार नहीं। छत्तीसगढ़ के किसान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के किसान हितैषी चेहरे से अच्छी तरह वाकिफहैं और केन्द्र के चंद उद्योगपतियों के तरफ्दार सरकार से अच्छी तरह परिचित है। अच्छा हो छत्तीसगढ़ में आके किसानों के सामने भारतीय जनता पार्टी के लोग झूठ न बोले।

पर्यावरण बचाने सरकार के साथ स्वयं सेवी संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने एनआईटी में एचसीएल फाउंडेशन द्वारा पर्यावरण संरक्षण में स्वयं सेवी संस्थाओं की भूमिका पर आयोजित अखिल भारतीय सेमीनार में शिरकत की। इस सेमीनार का विषय भारत में जलवायु और पर्यावरण परिवर्तन की चुनौतियां और स्वयं सेवी संस्थाओं की भूमिका था।

सेमीनार को संबोधित करते हुए कलेक्टर डॉ. भुरे ने कहा कि मौसम और पर्यावरण परिवर्तन के इस दौर में सरकार तथा स्वयं सेवी संस्थाएं एक-दूसरे के सहयोगी के रूप में काम कर रहे है। गैर सरकारी संस्थाएं इस दिशा में सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों, कार्यक्रमों और नीतियों को लागू करने के लिए मददार साबित हो रही है। डॉ. भुरे ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए लोग अब ज्यादा जागरूक हो गये है। पहले की अपेक्षा माहौल भी बदल रहा है।

सरकारी तंत्र भी अब पहले की अपेक्षा स्वयं सेवी संगठनों के साथ काम करने में अधिक अनुकूल हुए है। पर्यावरण नीति, पर्यावरण को बचाने जन भागीदारी से लेकर दूसरे स्थानीय मुद्दों पर भी अब लोग स्वयं सेवी संस्थाओं के माध्यम से अपनी राय सरकार को दे रहें हैं। डॉ. भुरे ने कहा कि इससे स्थानीय स्तर पर पर्यावरण संबंधी समस्याओं को हल करने में स्थानीय लोगों की मद्द भी मिल रही है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाली कुछ गैर सरकारी संस्थाओं का उदाहरण दिया और पर्यावरण संबंधी योजनाओं को लागू करने में जन अपेक्षाओं तथा सामाजिक कल्याण को ध्यान में रखने पर भी जोर दिया। कलेक्टर डॉ. भुरे ने कहा कि एनजीओ पर्यावरण संरक्षण सतत् विकास, वन प्रबंधन इत्यादि क्षेत्रों में काम कर रही है। स्वयं सेवी संगठन जमीनी स्तर पर तक कार्य करती है जिसके कारण जमीनी हालात के संबंध में जानकारी मिलती है। इससे शासकीय तंत्र कार्य को बेहतर करने में मदद् मिलती है और साथ ही विशेषज्ञ के रूप में सलाह मिलती है। किसी भी कार्य योजनाओं को स्थानीय आवश्यकताओं पर आधारित बनाये जाने पर सकारात्मक परिणाम मिलते है। इसमें स्वयं सेवी संगठन महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है। कलेक्टर ने प्रतिभागियों के प्रश्नों का जवाब दिया। राज्य जैव विविधता बोर्ड के सदस्य सचिव श्री अरूण कुमार पाण्डेय ने बताया कि वन विभाग में जैव विविधता, वन संरक्षण, जल वायु परिवर्तन और वन अधिकार अधिनियम के क्षेत्र में एनजीओ अच्छा काम कर रहे है।

पीजी कॉलेज कांकेर में प्रवेश प्रारंभ

कांकेर। भानुप्रतापदेव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांकेर में सत्र 2023-24 का प्रवेश कार्य 01 जुलाई 2023 से प्रारंभ हो रहा है। बी.ए./बी.एस.सी/बी.कॉम./बी.सी.ए. एवं एम.ए. हिन्दी, इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, भूगोल, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी/ एम.काम./ एम.एस.सी- रसायनशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र, भूगर्भशास्त्र, प्राणीशास्त्र/ एल.एल.बी./डी.सी.ए./पी.जी.डी.सी.ए.सेमेस्टर प्रणाली की समस्त कक्षाओं में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी प्रवेश समिति से संपर्क कर प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश वरीयता (मेरिट) क्रम के आधार पर सूची में नाम देखकर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश 01 जुलाई सुबह 11बजे से आवश्यक दस्तावेज की जॉच उपरान्त समिति से प्रवेश पत्र प्राप्त कर निर्धारित शुल्क जमा कर अस्थायी प्रवेश ले सकते हैं।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

डेढ़ सास से विवाद के बाद दामाद ने कुल्हाड़ी से किया वार, अस्पताल पहुंचने से पहले हुई मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के कोड़ेनार थाना क्षेत्र में दामाद ने अपनी ड़ेढ़ सास की हत्या कर दी। घटना शुक्रवार रात की बताई जा रही है। आरोपी अपनी पत्नी से मिलने गया था और इस दौरान उसकी बड़ी बहन यानी डेढ़ सास से उसका विवाद हो गया और गुस्से में उसने कुल्हाडी व पत्थर से उसपर जानलेवा हमला कर दिया और वहां से भाग गया। गंभीर रूप से घायल को अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार कोड़ेनार थाना क्षेत्र के ग्राम छोटेकड़मा निवासी हरी अपनी पत्नी रतनी बघेल को छोड़कर दूसरी महिला के साथ रह रहा था। अपने दो बच्चों के साथ रतनी अपनी बड़ी बहन रयमती के साथ रह रही थी। रयमती का पति भी उसे छोड़ चुका था। दोनों बहने एक साथ रहने लगी थी। इस बीच शुक्रवार रात को हरी बघेल अपनी पत्नी रतनी से मिलने के लिए पहुंचा।

इस दौरान रायमति का हरी के साथ विवाद हुआ और विवाद इतना बढ़ गया कि हरी बघेल ने रायमति पर कुल्हाड़ी व पत्थर से वार कर दिया। इसके कारण रायमति गंभीर रूप से घायल हो गई। रायमति को मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मेकाज में ही शव का पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया गया। इधर पुलिस ने इस मामले में आरोपी हरी के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

कांकेर में निर्माणाधीन राइस मिल की दीवार गिरी, मलबे में दबकर मजदूर की मौत, कई घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर (ए)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां के ग्राम चबेला में निर्माणाधीन राइस मिल की दीवार गिर गई। इसके मलबे में दबने से एक मजदूर की मौत हो गई। बताया जा रहा है हादसे में 13 लोग घायल भी हो गए हैं। जिन्हें भानुप्रतापपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे की सूचना के बाद पुलिस व प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। फिलहाल घटना की जांच की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार कांकेर के ग्राम चबेला में राइस मिल का निर्माण किया जा रहा था। राइसमिल के निर्माण में सुबह से ही मजदूर काम पर आ गए थे। सुबह करीब 11 बजे राइसमिल की एक ओर की दीवार भरभराकर गिर गई। हादसे में एक मजदूर की मलबे में दबने से मौत हो गई। वहीं अब तक 13 मजदूर घायल भी हो गए हैं। घायल मजदूरों को नजदीकी भानुप्रतापपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर प्रशासनिक अमले ने घायलों को उचित इलाज मुहैय्या कराने का निर्देश दिया है।

खास-खबर

सड़क हादसे में बाल-बाल बचे भाजपा नेता, आमने-सामने से हुई टक्कर, गाड़ी के उड़े परखच्चे

कोरबा। कोरबा निवासी और वरीष्ठ भाजपा नेता केदारनाथ अग्रवाल के साथ उनका परिवार एक सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बच गया। केदारनाथ अग्रवाल अपनी पत्नी, पोती और ड्राइवर के साथ शादी समारोह में शामिल होने कटघोरा गए हुए थे। वहां से वापसी के दौरान सीएसईबी कॉलोनी दर्री के जूनियर क्लब के पास उनकी कार पहुंची ही थी। तभी सामने से एक कार तेज गति से आई और अनियंत्रित होकर उनकी कार से टकरा गई।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों गाडियों के परखच्चे उड़ गए। सुखद संयोग रहा कि केदारनाथ अग्रवाल की गाड़ी के सभी एयर बैग खुल गए और कार में मौजूद सभी लोगों की जान बच गई। केदारनाथ की पत्नी को मामूली चोट आई थी। जिन्हें रात में ही चिकित्सक के पास ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के पश्चात उन्हें भी घर जाने दिया गया। दुर्घटना जिस वक्त हुई उससे हुई तेज आवाज के कारण काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गए।

भाजपा नेता केदारनाथ अग्रवाल को देख लोगों ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए ईश्वर को धन्यवाद किया और कहा कि वह परिवार के साथ सकुशल थे। घटना की सूचना दर्री पुलिस को दे दी गई। दर्री पुलिस घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे और जांच कार्रवाई शुरू की। जहां दोनों वाहनों को क्रेन के माध्यम से खींचकर थाना लेकर पहुंची।

बिलासपुर में युवा कांग्रेस अध्यक्ष की दबंगई किसान को दी धमकी, बोला- जिला अध्यक्ष हूं ऊपर तक मेरी पहुंच है, उठाकर ले जाऊंगा

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में जमीनी विवाद में युवा कांग्रेस के शहर अध्यक्ष शेरू असलम ने किसान को जान से मारने की धमकी दी है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, वायरल वीडियो में वह कह रहा है कि, मेरी जमीन पर खंभा लगाने कैसे आ गए, जिलाध्यक्ष हूं, उठाकर ले जाऊंगा, तुम लोग कुछ नहीं बिगाड़ सकते। मोपका निवासी पीड़ित किसान उमेंद्र राम साहू के मुताबिक, उसे जान से मारने की धमकी दी गई है। किसान का कहना है, उसकी कृषि भूमि है। उस जमीन के मेड़ को काटकर शेरू असलम और उसके साथियों ने समतल करा दिया है। दो अलग-अलग खसरे की जमीन को अपना होने का दावा कर रहे हैं। इसकी शिकायत पुलिस से की है। लेकिन, अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। पूरा मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है। किसान उमेंद्र राम के विरोध करने पर शेरू असलम अपने आप को कांग्रेस का जिलाध्यक्ष बताकर धौंस दिखाते हुए धमकाना शुरू कर दिया। जब पीड़ित किसान ने उससे जमीन की रजिस्ट्री पेपर दिखाने को कहा, तब शेरू असलम ने उससे जमीन के दस्तावेज मांगा और बोला कि मैं अपना पेपर नहीं दिखाऊंगा, तुम्हें जो करना है, जहां जाना है जाओ, आखिरी में घूम फिर कर मेरे पास आओगे। मेरी ऊपर तक पहुंच है, अगर मेरे से पंगा लोगों तो तुम को जान से मरवा दूंगा।

मेडिकल स्टोर और पैथोलॉजी लैब सील, अनियमितता मिलने पर जिला प्रशासन ने की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

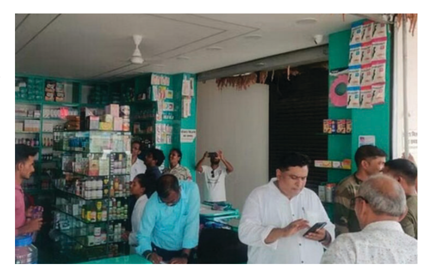

बीजापुर। बीजापुर में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने तीन मेडिकल स्टोर और दो पैथोलॉजी लैब को सील कर दिया है। इन सभी पर टीम को अनियमितता मिली थी। इसके बाद प्रशासन ने नोटिस जारी किया, लेकिन इन प्रतिष्ठानों के संचालकों ने कोई जवाब नहीं दिया। बताया जा रहा है कि पैथोलॉजी लैब बिना पंजीयन के ही संचालित की जा रही थी। यह कार्रवाई कलेक्टर राजेंद्र कटारा के निर्देश पर की गई है। एडीएम पवन प्रेमी और सीएमएचओ अजय कुमार रामटेके की अगुवाई में टीम ने छापा मारा था।

सीएमएचओ अजय कुमार रामटेके ने बताया कि औषधि निरीक्षक ने दिसंबर, जनवरी और अप्रैल महीने में अम्मा मेडिकल, मां दंतेश्वरी मेडिकल व आयुष मेडिकल का निरीक्षण किया था। निरीक्षण में इन मेडिकल स्टोर में कुछ अनियमितता पाए जाने पर उन्हें नोटिस दिया गया। नोटिस का जवाब मेडिकल संचालकों से संतोषप्रद नहीं मिला। इसके बाद टीम ने दबिश दी। अम्मा मेडिकल स्टोर व मां दंतेश्वरी मेडिकल स्टोर का एक सप्ताह के लिए लाइसेंस रद्द करने की कार्यवाही की गई हैं।

वहीं आयुष मेडिकल स्टोर का लाइसेंस अनिश्चितकालीन के लिए रद्द कर दिया गया हैं। साथ ही जनसेवा मेडिकल संचालक को नोटिस देकर उनसे जवाब मांगा गया हैं। सीएमएचओ रामटेके ने बताया कि महालक्ष्मी पैथोलॉजी लैब व दंतेश्वरी पैथोलॉजी लैब में नर्सिंग पंजीयन नहीं होने से दोनों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर उन्हें सील कर दिया गया हैं। कार्रवाई के दौरान बीजापुर तहसीलदार डीके ध्रुव, ड्रग इंपेक्टर व अमला मौजूद रहा।

तेज बारिश में भिड़े कंटेनर और ट्रक

स्टेयरिंग में फंसने से ट्रक चालक की मौत कड़ी मशक्कत से निकाला गया शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में गुरुवार देर शाम बड़ा हादसा हो गया। तेज बारिश के बीच हाइवे पर ट्रक और कंटेनर की आमने-सामने से टक्कर हो गई। हादसा इतना जोरदार था कि ट्रक के चालक की मौके पर ही मौत हो गई। दरअसल ट्रक चालक हादसे के बाद स्टेयरिंग में फंस गया था। जब तक उसे बाहर निकालते उसकी मौत हो चुकी थी। वहीं ट्रेलर चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसा जिले बोड़ला थाना क्षेत्र में हुआ है।

मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार शाम करीब 7 बजे छीरापानी कॉलोनी के सामने तिवारी होटल के पास मोड़ के पास हाईवे पर ट्रक व कंटेनर की आमने सामने से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन के सामने का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और आपस में चिपक गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद वाहनों में फंसे चालकों को बाहर निकाला।

हादसे के समय तेज बारिश हो रही थी। विजबिलिटी कम होने के कारण हादसा होने की बात कही जा रही है। दोनों चालक घंटों तक अंदर ही फंसे रहे। जबकि दोनों वाहनों के हेल्पर ठीक हैं। कंटेनर को राजस्थान के धौलपुर निवासी चालक सुखबीर सिंह (28) अपने हेल्पर मध्य प्रदेश के ग्वालियर निवासी मयंक सिंह के साथ लेकर जबलपुर की ओर से आ रहा था। वहीं ट्रक को जबलपुर निवासी चालक प्रकाश पाठक (36) अपने हेल्पर स्वरूप ठाकुर के साथ रायपुर से जबलपुर के लिए निकला था। हादसे में प्रकाश पाठक की मौत हो गई।

ड्यूटी से लौट रहे पुलिस कर्मियों को ट्रेलर ने मारी टक्कर बाइक सवार आरक्षक की मौत, साथी आरक्षक घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में तेज रफ्तार ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार पुलिस आरक्षक की मौत हो गई। आरक्षक अपने साथी आरक्षक के साथ ड्यूटी से घर लौट रहा था। बाइक पर बैठा दूसरा आरक्षक गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों कांस्टेबल रक्षित पुलिस लाइन में पदस्थ थे। हादसे के बाद ट्रेलर चालक भाग निकला है। उसकी तलाश की जा रही है। हादसा दीपका थाना क्षेत्र में हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार नोनबिर्रा गांव निवासी आरक्षक अवधेश कंवर और तालासार निवासी आरक्षक हेम सिंह श्याम दोनों के गांव आसपास हैं, इसलिए कई बार वे एक ही बाइक से आना-जाना करते थे। रोज की तरह गुरुवार को भी एक ही बाइक पर देर रात गांव लौट रहे थे। अभी वे तिवरता मोड़ के पास पहुंचे थे कि एक ट्रेलर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कांस्टेबल अवधेश कंवर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कांस्टेबल हेम सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल कांस्टेबल को अस्पताल में भर्ती कराया, वहीं शव को भी पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जहां पंचनामा कार्रवाई के बाद शुक्रवार को परिजनों को सौंप दिया गया है। हादसे के बाद ट्रेलर चालक फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में हाथियों का कहर: बलरामपुर में पटक-पटककर ले ली वृद्ध की जान, सुबह जंगल में मिली लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

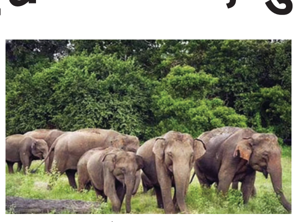

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में हाथियों ने वृद्ध को पटक-पटककर मार दिया। गुरुवार को बकरी चराने निकला वृद्ध रात तक वापस नहीं लौटा तो घर वालों ने उसकी तलाश शुरू की। सूचना मिलने पर वन विभाग व स्थानीय विधायक बृहस्पत सिंह ने भी तलाश करवाई । शुक्रवार सुबह वृद्ध की लाश जंगल में पाई गई। मामला रामानुजगंज वन परिक्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार महावीरगंज निवासी परमेश्वर यादव (62) बकरियां चराने के लिए कनकपुर-रामपुर के जंगल में करीब तीन किलोमीटर अंदर गया था। शाम तक बकरियां तो वापस लौट गई लेकिन परमश्वर नहीं लौटा। लेकिन वह नहीं लौटा। इसके बाद उसके दोनों बेटे अपने पिता को खोजते हुए जंगल पहुंचे, उन्होंने पिता का शव देखा लेकिन हाथियों के डर से शव को नहीं ले जा पाए। शुक्रवार सुबह वन विभाग के साथ पहुंचकर शव को लाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंपा गया।

बताया जा रहा है कि परमेश्वर जब बकरियों को चराने गया तो हाथियों ने उसे घेर लिया और पटक-पटककर उसकी जान लेली। इधर वन विभाग ने परिवार के सदस्यों को प्रारंभिक सहायता राशि 25 हजार रुपए प्रदान किया है। परिवार वालों ने बताया कि, परमेश्वर यादव एक पैर से विकलांग थे। आशंका है कि, संभवत: इसी कारण वे हाथियों को देखकर भाग नहीं सके। वन विभाग ने गांव के लोगों को जंगल की तरफ न जाने एवं अपने घर या रिहायशी इलाके में रहने की समझाइश दी है।

स्मृति नगर पुलिस ने पकड़ी लाखों की शराब, मध्यप्रदेश लेकर पहुंचा था तस्कर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने शराब के अवैध परिवहन पर बड़ी कार्रवाई की है। सुपेला थाना अंतर्गत स्मृति नगर चौकी पुलिस ने मध्यप्रदेश की शराब की अवैध तस्करी को पकड़ा है। पुलिस ने टाटा एल्ट्राज कार और उसमें रखी 19 पेटी गोवा शराब को जब्त किया है। जब्त शराब की कीमत 1 लाख से ज्यादा बताई जा रही है। आरोपी तस्कर के खिलाफ पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

मिली जानकारी के अनुसार स्मृति नगर चौकी पुलिस को मुखबिर के जरिए एमपी की शराब भिलाई में खपाए जाने की सूचना मिली थी। सूचना के बाद पुलिस ने घेराबंदी कर टाटा एल्ट्राज कार क्रमांक CG 04 NV 2734 कार को रुकवाया और उसमें 19 पेटी गोवा अंग्रेजी शराब बरामद किया। शराब की कुल कीमत 1 लाख 320 रुपए बताई जा रही है। शराब का अवैध परिवहन करते पुलिस ने पखांजुर कांकेर निवासी निताई मिस्त्री को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। इस पूरी कार्रवाई में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक प्रमोद श्रीवास्तव, उप निरीक्षक बलदाऊ चंद्राकर, आरक्षक अहफाज खान, एसीसीयू के प्रधान आरक्षक सगीर खान, जी रवि, अजय कुमार, अमित सिंह व विवेक पोद्दार का विशेष योगदान रहा।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

अन्तर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस का आयोजन 26 को

दुर्ग। जिले में लोगों के नशापान करने की प्रवृत्ति पर प्रभावी नियंत्रण तथा समाज में नशामुक्ति के पक्ष में सकारात्मक वातावरण निर्मित करने समुदाय की सहभागिता से नशा के विरूद्ध व्यापक जनमत विकसित करने के लिए 26 जून 2023 ''अन्तर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस'' के अवसर पर स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल एवं युवा कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, जनसंपर्क, पंचायत आबकारी विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। नशा निवारण दिवस कार्यक्रम अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर गठित भारत माता वाहिनी द्वारा नशामुक्ति कार्यक्रमों का आयोजन, रेडियों एवं दूरदर्शन से नशा मुक्ति कार्यक्रमों का प्रसारण, जिले के समस्त विभागों के समन्वय से नशापान के विरूद्ध समुचित कार्यवाही, यथा संभव नशा पीडितों से प्रत्यक्ष संवाद कर उन्हें नशापान के दुष्परिणामों की जानकारी देना, नशामुक्ति साहित्यों का वितरण, सोशल मीडिया में प्रेरक स्लोगन, चित्रों आदि के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार, नशा तथा एड्स प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार, विद्यार्थियों में नशापान के विरूद्ध जागरूकता लाने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन तथा नशामुक्ति हेतु शपथ/संकल्प पत्र में हस्ताक्षर कराये जायेंगे। इसके अतिरिक्त स्थानीय संस्कृति एवं परम्पराओं के अनुरूप अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे।

शिविर के माध्यम से 252 दिव्यांगजनों का हुआ चिन्हांकन व परीक्षण

दुर्ग। जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग दुर्ग के द्वारा दिव्यांगजनों की शारीरिक समस्याओं को कम करने एवं उनकी गतिशीलता में वृद्धि करने हेतु दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के प्रावधानों के अनुसार शल्य क्रिया एवं दिव्यांगजनों हेतु कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण का चिन्हांकन, मूल्यांकन तथा परीक्षण हेतु जिले के प्रत्येक विकासखण्ड में 4-4 शिविर का आयोजन 6 जुलाई 2023 तक किया जा रहा है। जिसके तहत 19 जून 2023 को मंगल भवन धमधा में तथा 22 जून 2023 को शा. पूर्व, मा.शा. कोडिया़ वि.ख. धमधा जिला दुर्ग में चिन्हांकन, मूल्यांकन तथा परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में कुल 252 दिव्यांगजनों का चिन्हांकन व परीक्षण किया गया। इस अवसर पर चन्द्रकला मनहर, जिला पंचायत सदस्य दुर्ग, सरस्वती रात्र, अध्यक्ष जनपद धमधा, सुनीता गुप्ता, अध्यक्ष नगर पंचायत धमधा ईश्वरी निर्मलकर एवं भूपेन्द्र साहू, जनपद सदस्य धमधा, दुखवा राम पटेल, एल्डरमेन धमधा, झुमुक साहू सरपंच ग्राम पंचायत कोडिया़ तथा शिविर आयोजनकर्ता विभागीय अधिकारी, कमलेश पटेल, उपसंचालक, समाज कल्याण तथा प्रभारी अधिकारी जन्तराम ठाकुर एवं अन्य कर्मचारी विनय तिवारी, अरुण वर्मा, सोहन बंजारे, मुकेश सौरज, सुशील साहू, गौतम साहू, विजय भास्कर, रजनीश डड़सेना, योगेन्द्र सोनी, केवल पटेल एवं प्यारे लाल सोनकर उपस्थित रहें।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा हाल ही में आदर्श इस्पात ग्राम महकाकला के नवीन ग्राम पंचायत में दिनांक 21 जून 2023 को सफलतापूर्वक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र का सीएसआर विभाग लंबे समय से ही ऐसे शिविरों का आयोजन करता आ रहा है। इसी क्रम में ग्राम महकाकला में स्वास्थ्य शिविर संपन्न हुआ। जिसमें 20 हितग्राहियों की जांच करके उनको उचित सलाह के साथ दवाइयों का वितरण किया गया। जिसमें 08 पुरुष, 07 महिलाएं और बच्चों की संख्या 05 रही।

इस्पात मंत्री ने सेल-बीएसपी की दल्ली माइंस में 149 करोड़ रुपये की बेनिफेसिएशन प्लांट का किया वर्चुअल उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली/भिलाई। केंद्रीय इस्पात और नागरिक उड्डयन मंत्री, ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने 23 जून, 2023 को स्टील अथॉरिटी ऑफइंडिया लिमिटेड 'सेल' के भिलाई स्टील प्लांट की दल्ली माइंस में एक नए बेनिफेसिएशन प्लांट (सिलिका रिडक्शन प्लांट) का वर्चुअल उद्घाटन किया। यह बेनिफेसिएशन प्लांट अधिक सिलिका गैंग वाले 1 मिमी से कम आकार के लौह अयस्क से सिलिका की मात्रा कम करने के लिए स्थापित किया गया है।

यह अत्याधुनिक बेनिफेसिएशन प्लांट उपकरणों से सुसज्जित है और इसका उद्देश्य भिलाई इस्पात संयंत्र को आपूर्ति किए जाने वाले लौह अयस्क की गुणवत्ता को बढ़ाना है, जिससे ब्लास्ट फर्नेस से हॉट मेटल के वार्षिक उत्पादन में वृद्धि होगी, और साथ में कोक की खपत और कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी।

इस अवसर पर श्री सिंधिया ने अपनी तरह की इस पहली तकनीकी पहल पर सेल के प्रयासों की सराहना करते हुए, पिछले नौ वर्षों में इस्पात द्वारा उद्योग उठाए गए बड़े कदमों का उल्लेख किया। इस अवधि के दौरान देश में इस्पात उत्पादन और प्रति व्यक्ति इस्पात खपत में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है और भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक बन गया है। मंत्री के नेतृत्व में, इस्पात मंत्रालय का ध्यान घरेलू इस्पात उद्योग में डी-कार्बोनाइजेशन को बढ़ावा देने और इस्पात उद्योग के सहयोग से हरित इस्पात उत्पादन के लिए दीर्घकालिक रोडमैप तैयार करने पर केंद्रित है। सेल खुद कार्बन न्यूट्रिलिटी के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ जुड़ा हुआ है, दल्ली-राजहरा खदान में बेनिफेसिएशन प्लांट (सिलिका रिडक्शन प्लांट) इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, यह प्लांट निम्न श्रेणी के लौह अयस्क को बेनिफिसिएशन के जरिये उपयोगी बनाकर इस्तेमाल करने के सेल के प्रयास का एक हिस्सा है।

सेल-भिलाई स्टील प्लांट के दल्ली और राजहरा समूह की 60 साल पुरानी खदानों में लौह अयस्क भंडार की गुणवत्ता तेजी से कम हो गई है और एक अध्ययन के जरिये तथ्य सामने आया है कि ब्लास्ट फर्नेस में अनुकूलतम उपयोग वाले वांछित ग्रेड के लिए 1 मिमी से कम आकार के लौह अयस्क को परिष्कृत करने की आवश्यकता है। दल्ली में मौजूदा क्रशिंग, स्क्रीनिंग और वॉशिंग (सीएसडब्ल्यू) वेट प्लांट के साथ यह लगभग 149 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से बना सिलिका रिडक्शन प्लांट लगाया गया है। यह परियोजना विभिन्न राज्य सरकारी एजेंसियों, स्थानीय प्रशासन और निर्वाचित प्रतिनिधियों की मदद से पूरी की गई है।

इस अवसर पर मौजूद सेल अध्यक्ष, अमरेंदु प्रकाश ने कहा कि सिलिका कटौती के लिए यह बेनिफेसिएशन प्लांट (सिलिका रिडक्शन प्लांट) सेल के टिकाऊ इस्पात उत्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारतीय इस्पात उद्योग को डीकार्बोनाइज करने की इस्पात मंत्रालय की पहल के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहा है।

सोसाइटी में 25 रिटायर कर्मियों का सम्मान हुआ

भिलाई। बीएसपी कर्मियों की सहकारी संस्था बीएसपी एंप्लाइज को ऑपरेटिव सोसाइटी, सेक्टर-4 ने मई में सेवानिवृत्त 25 सदस्य कर्मियों को ससम्मान विदाई दी। इस दौरान सेवानिवृत्त कर्मियों ने भी अपने सेवाकाल को याद किया और उनकी सदस्यता जारी रखे जाने का प्रस्ताव दिया। पदाधिकारियों ने 1986 से 2001 के बीच बीएसपी की सेवा से जुड़े इन कर्मियों को उनकी सेवानिवृत्ति पर सम्मान पत्र, मिठाई, श्रीफल व अंतिम भुगतान का चेक देकर विदाई गई। सेवानिवृत्त हुए धर्मेंद्र राव ने गजलें पेश की। रिटायर कर्मियों ने अपने संस्मरण सुनाएं। इनमें लेखपाल सोनबोइर, उमाशंकर मांझी, विजय रामटेके, जय कुमार विश्वाल, मंसाराम, सैय्यद अशरफ अली, रीना सिन्हा, डॉ. डी कलाई चिलवन, गंगाराव, एनवी धर्मेंद्र राव, रमेश चंद्र श्रीवास्तव, मनोज गुप्ता, परितोष बनिक, ऑगस्टिन खेस, राजाराम पांडे, एसके यादव, के प्रेम कुमार, शांति कुमार के शामिल हैं।

आयुष्मानकार्ड का प्रोग्रेस बढ़ाने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की ली गई निगम सभागार में बैठक

शहर के प्रत्येक व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनाने निगम की बड़ी मुहिम, डोर टू डोर बनाया जा रहा है आयुष्मान कार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत घर-घर जाकर आयुष्मानकार्ड बनाया जा रहा है। इस कार्य में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी जिम्मेदारी दी गई है। प्रोग्रेस को बढ़ाने को लेकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की बैठक ली गई। उन्हें लक्ष्य के अनुरूप प्रत्येक घरों में जाकर टारगेट पूरा करने बैठक में कहा गया। पूर्व में बनाए गए आयुष्मान कार्ड की भी समीक्षा की गई तथा प्रगति में इजाफा करने कहा गया।

गौरतलब है कि कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा एवं निगमायुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर हर घर जाकर प्रत्येक व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। आयुष्मान कार्ड बनाने के दौरान सर्वे के समय वार्ड का नाम, वार्ड क्रमांक, कितने घरों का सर्वे किया गया, कितना आयुष्मान कार्ड बनाया गया, व्यक्ति का आधार कार्ड अपडेट है कि नहीं की जानकारी, राशन कार्ड बना है या नहीं इसकी जानकारी, आधार कार्ड पूर्व में बना हुआ है कि नहीं, परिवार में किसी सदस्य की मृत्यु तो नहीं हुई है, परिवार का सदस्य काम के तलाश में या किसी कारणवश शहर से बाहर रहता है।

यह सब जानकारी जुटाई जा रही है और इसका रिकॉर्ड रखा जा रहा है ताकि इस आधार पर डाटा सुरक्षित रखा जा सके तथा इस मुताबिक आगे की कार्यवाही की जा सके। आज की बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा सर्वे के दौरान आई कठिनाइयों के बारे में भी जानकारी ली गई तथा तकनीकी खामियों को दूर करने के लिए तरीके बताए गए। जिनका आधार अपडेशन नहीं हुआ है उनके आधार अपडेशन के लिए निगम के मुख्य कार्यालय के साथ ही जोन कार्यालय नेहरू नगर, जोन कार्यालय वैशाली नगर, जोन कार्यालय मदर टैरेसा नगर, जोन कार्यालय खुर्सीपार तथा जोन कार्यालय सेक्टर 6 के निगम कार्यालय से आधार कार्ड अपडेट करा जा सकता है यही नहीं सभी जोन कार्यालय से राशन कार्ड भी बनवाए जा सकता है।

नगर पालिक निगम भिलाई की अपील है कि हर व्यक्ति अपना आयुष्मान कार्ड बनवा लें और आयुष्मान भारत योजना का लाभ ले। आज की बैठक में नोडल अधिकारी प्रीति सिंह, पीआरओ पी सी सार्वा व मिशन मैनेजर अमन पटले आदि मौजूद रहे।

सूर्य नमस्कार के व्यायाम पर पोस्टर का हुआ विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ॠषि दयानंद आर्य विद्यालय, सेक्टर-6 और आर्य समाज मंदिर के संयुक्त तत्वावधान में सूर्य नमस्कार के पोस्टर का विमोचन किया गया।

इस अवसर पर अवनी भूषण पुरंग ने कहा सूर्य नमस्कार एक परिपूर्ण व्यायाम है। इस व्यायाम को करने से व्यक्ति स्वस्थ एवं प्रसन्न रह सकता है।

डॉ. अजय आर्य ने कहा कि इस पोस्टर में सूर्य नमस्कार के 12 मंत्रों और 12 आसन को दिखाया गया है। एक सूर्य नमस्कार में 12 मंत्रों का प्रयोग करके व्यक्ति 12 पोस्टर में योग करता है। यह सिर से लेकर पैर तक प्रभाव करता है। कार्यक्रम में प्राचार्य शीला फंड, अंजू ठाकुर, अंजू गुप्ता, शकुंतला, रीता सुसीता, अंकित शर्मा, उत्तम आरदा, तिलक टंडन आदि उपस्थित थे।

गीत, नृत्य के बाद महिला क्लब की सदस्यों ने पौधे रोपने शपथ ली

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मीनाक्षी नगर दुर्ग की जागृति महिला क्लब की सदस्यों ने शुक्रवार को केसरी नंदन हनुमान मंदिर परिसर स्थित सामुदायिक भवन में अपना 6वां स्थापना दिवस मनाया। मुख्य अतिथि मंजू वोरा ने क्लब की महिलाओं द्वारा मीनाक्षी नगर के विकास में सक्रिय भूमिका की तारीफकी।

एल्डरमैन रत्ना नारमदेव ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में प्रश्न मंच, एकल और समूह नृत्य, गीत-संगीत आदि का आयोजन कराया। विजेता सदस्यों को अतिथियों के हाथों पुरस्कार दिया गया। इसके बाद क्लब की महिलाओं ने इस मानसून में एक घर, एक पौधा का संकल्प लिया है। संचालन अध्यक्ष किरण वर्मा और सचिव नलिनी सोनी ने किया। इस अवसर पर मंजू मेहता, दीप्ति साहू, तुलसी वर्मा, सुशीला नायक, सुनंदा साव, रजनी वर्मा, गायत्री, सीमा वर्मा, महेश्वरी साहू, सावित्री सेन, आभा तिवारी, नेत्री वर्मा, पुष्पा शर्मा, लता देवांगन, सुमन वर्मा, रश्मि चंद्राकर सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

विधायक वोरा ने आयुष्मान कार्ड बनाया

महाअभियान में वोरा की अपील ईलाज हेतु आयुष्मान कार्ड अवश्य बनवाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए सभी वार्डो में महाअभियान चलाया गया इस दौरान छूटे हूए लोगों का डोर टू डोर में पहुंचकर निगम कर्मियो ने वार्ड वार स्वास्थ्य सुविधा के लिए चार लाख लोगों जो छूट गए थे ।

इस अभियान के तहत निगम कर्मचारियों द्वारा मोबाईल के जरिए कार्ड बनाने का कार्य वृहद स्तर पर षनिवार को किया । जिसके तहत जिन्होने केवायसी नही किया है। इसके लिए आंगन बाड़ी कार्यकर्त्ता व सहायिका एन य एल एम, की भी डयूटी लगी। जिसके तहत शहर में घूम घूमकर ज्यादा से ज्यादा आयुश्मान कार्ड बना रहे हैं। जिसके तहत षहर विधायक अरूण वोरा ने सपरिवार आयुश्मान कार्ड बनवाया । विधायक वोरा ने कहा कि दुर्ग भिलाई के प्रमुख चिकित्सालयों में आयुश्मान कार्ड से एपीएल कार्ड धारियों को 50 हजार तथा बीपीएल कार्डधरियों को 5 लाख तक का ईलाज हो सकेगा । कार्ड बनाने का कार्य निरंतर जारी रहेगा। वोरा ने शहरवासियों से अपील की है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में अपने परिवारों का आयुष्मान कार्ड बनवाएं।

राशन कार्डधारियों की वेरीफिकेषन करने की तिथि भी पूर्व में 30 जून थी। जिसे बढाकर 31 जुलाई कर दी गई है। जिसे केवायसी कराना है वे अपने नजदीक के राशन में जा कर करा सकते है,वहां यह कार्य जारी है।

रसायन शास्त्र विभाग द्वारा फ्यूचरिस्टिक मटेरियल्स पर आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्टी का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय विष्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वषासी महाविद्यालय, दुर्ग के रसायन शास्त्र विभाग द्वारा फ्यूचरिस्टिक मटेरियल्स पर एक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आज उद्घाटन हुआ। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर प्रलय मैती (आई.आई.टी. वाराणसी) एवं विषिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. चंदन उपाध्याय (आई.आई.टी. वाराणसी), डॉ. अखिलेष सिंह (आई.आई.टी. वाराणसी), डॉ. जय सिंह (गुरू घासीदास विष्वविद्यालय, बिलासपुर) डॉ. वाय.आर. कटरे, डॉ. डब्ल्यू बी. गुरनुले (नागपुर), डॉ. रबिन जुगाड़े (नागपुर), डॉ. राजेष लालवानी (बी.आई.टी.) आदि सम्मिलित हुए। उद्घाटन समारोह के आरंभ में संगोष्ठी की संयोजक डॉ. अनुपमा अस्थाना एवं आयोजन सचिव डॉ. अजय सिंह द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना, अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा माता सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं राज्यगीत से हुआ। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में अकादमिषियन, शोधकर्ता एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

उद्घाटन सत्र में विषिष्ट अतिथि डॉ. चंदन उपाध्याय ने फ्यूचरिस्टिक मटेरियल्स के क्षेत्र में शोध की प्रगति का विवरण दिया। डॉ. अखिलेश सिंह ने महाविद्यालय द्वारा फ्यूचरिस्टिक मटेरियल्स विषय पर शोध संगोष्ठी आयोजित करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इस महाविद्यालय के शोध के क्षेत्र में योगदान की प्रषंसा की। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर प्रलय मैती ने ऊर्जा के क्षेत्र में फ्यूचरिस्टिक मटेरियल्स के उपयोग के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी एवं इनके उपयोग से ऊर्जा के क्षेत्र में आने वाले क्रांतिकारी परिवर्तनों का विवरण दिया। कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी की संयुक्त सचिव डॉ. सुनीता मैथ्यू ने किया। उद्घाटन सत्र का समापन डॉ. अनिल कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। दोपहर के सत्र में आई.आई.टी वाराणसी के डॉ. अखिलेष सिंह ने भविष्य में मल्टी फंक्षनल मटेरियल्स तथा आई.आई.टी. वाराणसी के डॉ. चंदन उपाध्याय ने पदार्थ के चुबंकीय गुणों में क्रिस्टल केमेस्ट्री की भूमिका पर व्याख्यान दिया। द्वितीय तकनीकी सत्र के प्रारंभ में डॉ. जय सिंह ने जिंक ऑक्साइड नैनोरॉड्स के निर्माण की विधि एवं उनके उपयोग पर व्याख्यान दिया। द्वितीय तकनीकी सत्र में प्रतिभागियों द्वारा शोध पत्रों की प्रस्तुति दी गयी। प्रथम सत्र में चेयरपर्सन के रूप में डॉ. वाय. आर. कटरे एवं को चेयर पर्सन डॉ. राजेष लालवानी सम्मिलित हुए।

कांट्रेक्टर कॉलोनी के नए मंदिर में श्रीराम जानकी की प्रतिमा स्थापित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कांट्रेक्टर कॉलोनी के नवनिर्मित मंदिर में गुरुवार को भगवान श्रीराम जानकी की प्रतिमा की स्थापना कर प्राण-प्रतिष्ठा कराई गई। कार्यकर्ता मोहन उमरे ने बताया कि एक ही शिला में तराशी गई श्रीराम, माता जानकी और हनुमानजी की मूर्ति लगभग 70 वर्षों से एक चबूतरे में स्थापित थी, जो तेज धूप और बारिश के कारण खंडित हो रही थी। इसे देखते हुए बम्लेश्वरी मंदिर, मानस भवन सुपेला के चंद्रप्रकाश, पेखन साहू, संजय शर्मा व गायत्री प्रज्ञापीठ रामनगर मुक्तिधाम के कार्यकर्ताओं के सहयोग से वहां पर मंदिर निर्माण किया गया। फिर प्राचीन प्रतिमा को नया कलेवर देकर उसे स्थापित किया गया। पं. जितेंद्र प्रसाद और गायत्री परिवार के 11 परिवाजकों ने मंत्रोच्चारण के साथ प्राण-प्रतिष्ठा कराई। यज्ञ, हवन, दीप यज्ञ का क्रम चलता रहा। शाम को 501 घी के दीपक से आरती पूजन किया गया। इस अवसर पर शालिक राम साहू, डॉ. आरती साहू, पुरुषोत्तम जंघेल, सत्यनारायण निषाद, शिवप्रसाद आदि उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950